लखनऊ
शनिवार 7 जून 2025
वर्ष : 10 | अंक: 322
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

सभी से प्रेम करें, कुछ पर विश्वास करें और किसी के साथ भी गलत न करें। - विलियम शेक्सपियर

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi
NIGHT 26° Low

संक्षेप

'डबल इंजन सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है'... राजस्थान सरकार पर सचिन पायलट का निशाना

नई दिल्ली। राजस्थान में भाजपा सरकार के दो साल पूरे हो चुके हैं। ऐसे में जहां बीजेपी अपनी तारीफों के पुल बांध रही हैं वहीं विपक्ष राज्य सरकार की कमियां गिना रहा है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने गुरुवार को कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली राजस्थान सरकार प्रशासन पर अपनी पकड़ खो चुकी है और सत्ता के कई केंद्र इसकी बागडोर अपने हाथ में ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ;उनके बीच इतना तनाव है कि सरकार अपनी पकड़ खो चुकी है।; उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार पंचायतों और अन्य स्थानीय निकायों के चुनाव कराने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल पर कटाक्ष करते हुए शुक्रवार को कहा कि 'डबल इंजन' सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में अधिकारी हावी हैं और मनमर्जी से काम होता है। पायलट ने टोंक में मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कहा, ''पूरा देश यह जान चुका है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार का इंजन केवल धुआं फेंक रहा है, कामयाब नहीं हो रहा।'' 'डबल इंजन' सरकार का संदर्भ केंद्र और राज्य में एक ही पार्टी की सरकार होने के लिए दिया जाता है। उन्होंने कहा, ''सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल को देखकर लगता है कि जो काम हम करके गये थे, जो हमने शुरू कर दिए थे और मंजूर कर दिए थे, वे इन कामों की देखरेख भी नहीं कर पा रहे।''

इस बार 38 दिन की होगी अमरनाथ यात्रा, शेड्यूल तय

नई दिल्ली। इस साल श्री अमरनाथ यात्रा के लिए विभिन्न केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। 3 जुलाई से 9 अगस्त तक होने वाली यह यात्रा पहली बार 38 दिनों की कम अवधि में आयोजित की जाएगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। पिछली बार यह यात्रा कुल 52 दिनों तक चली थी। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर एक ठोस प्लान तैयार किया है। इस बार 581 कंपनियों की केंद्रीय सुरक्षा बालों की तैनाती भी की गई है, जिनमें ष्टक्रक्कस्न, जम्मू कश्मीर पुलिस और सेना शामिल है। साथ ही पूरे यात्रा मार्ग का सुरक्षा ऑडिट और डिजिटल मैपिंग भी की गई है। ष्ट्रक्कस्न में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सशस्त्र सीमा बल, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सेंट्रल इंडस्ट्री सिक्योरिटी फोर्स शामिल रहती है। पहलगाम और बालटाल दोनों रास्तों पर सुरक्षा बल तैनात रहेंगे, जिसमें कई लेयर की व्यवस्थाएं की गई हैं। मसलन, रोड ओपनिंग पार्टीज (आरओपी) जो मूवमेंट से पहले प्रमुख हिस्सों को सुरक्षित और साफ रखेंगी। साथ ही क्विक एक्शन टीम्स (क्त्रञ्जह्य) को भी रैपिड रेस्पॉन्स के लिए और विस्फोटकों को निरस्त करने के लिए दस्ते को भी तैनात किया जाएगा।

'पाकिस्तान का इरादा भारत में दंगे कराना था', पीएम मोदी कटरा में बोले- पड़ोसी देश ने इंसानियत और कश्मीरियत पर वार किया

स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी छलांग

पीएम ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर में दो स्टेट लेवल के कैंसर संस्थान बने हैं और पांच साल में सात नए मेडिकल कॉलेज शुरू किए गए हैं। एमबीबीएस की सीटें 500 से बढ़कर 1300 हो गई हैं, जो क्षेत्र के युवाओं के लिए बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि अब रियासी जिले को भी नया मेडिकल कॉलेज मिलने जा रहा है। इससे न सिर्फ इलाज की सुविधाएं बढ़ेंगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी मिलेंगे।

हर थाली में भरपेट अनाज

पीएम मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से हर थाली में भरपेट अनाज सुनिश्चित हुआ है। जनधन योजना से पहली बार 50 करोड़ से ज्यादा गरीबों के लिए बैंक की दरवाजा खुला है। सौभाग्य योजना से अंधेरे में जी रहे 2.5 करोड़ परिवारों में बिजली की रोशनी पहुंची है। स्वच्छ भारत अभियान के तहत बने 12 करोड़ शौचालयों में खुले में शौच की मजबूरी से मुक्ति दिलाई है। पीएम सम्मान निधि से 10 करोड़ किसानों को सीधे आर्थिक सहायता मिली है।

जम्मू-कश्मीर शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति के क्षेत्र में बना रहा है नया कीर्तिमान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उन्हें बार-बार जम्मू-कश्मीर आने और यहां के लोगों के सामर्थ्य को देखने का अवसर मिला है। मैंने यहां की ऊर्जा, उम्मीदें और मेहनत को नजदीक से महसूस किया है। यही वजह है कि मैं पूरे समर्पण भाव के साथ जम्मू-कश्मीर के विकास में जुटा हूं। पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत की शिक्षा और संस्कृति का गौरव रहा है और आज यह ज्ञान की भूमि के रूप में फिर उभर रहा है। जम्मू और श्रीनगर में सेंट्रल यूनिवर्सिटी हैं, नीट, आईआईएम जैसे देश के श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान यहां हैं। आने वाले वर्षों में जम्मू-कश्मीर भारत के नॉलेज हब की भूमिका निभाएगा।

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटरा में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आज का ये कार्यक्रम भारत की एकता और भारत की इच्छाशक्ति का विराट उत्सव है। माता वैष्णो देवी के आशीर्वाद से आज वादी-ए-कश्मीर, भारत के रेल नेटवर्क से जुड़ गई है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लाइन परियोजनाएं, ये सिर्फ नाम नहीं हैं, ये जम्मू कश्मीर के नए सामर्थ्य की पहचान हैं। भारत के नए सामर्थ्य का जयघोष है। थोड़ी देर पहले मुझे चिनाब ब्रिज और अंजी ब्रिज का लोकार्पण करने का अवसर मिला है। आज ही दो नई वंदे भारत ट्रेनें जम्मू कश्मीर को मिली है। जम्मू में नए मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास हुआ है। 46,000 करोड़ रुपये की ये परियोजनाएं जम्मू और कश्मीर के विकास को नई गति देंगे।

ये हमारी सरकार का सौभाग्य है कि इस प्रोजेक्ट ने हमारे कार्यकाल में गति पकड़ी और हमने इसे पूरा करके दिखाया। रास्ते में आने जाने की मुश्किलें, मौसम की परेशानी, लगातार पहाड़ों से गिरते पत्थर... ये प्रोजेक्ट पूरा करना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन हमारी सरकार ने चुनौती को ही चुनौती देने का रास्ता चुना है।

चिनाब ब्रिज, दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। ये ब्रिज, एफिल टावर से भी उंचा है। अब लोग चिनाब ब्रिज के जरिए कश्मीर देखने तो जाएंगे ही, साथ ही ये ब्रिज भी अपने आप में एक आकर्षक टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के लाखों लोगों का सपना साकार हुआ है। ये सिर्फ पुल नहीं, भारत के फौलादी इरादों और इंजीनियरिंग कौशल का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह भी एक हकीकत है कि जितने भी अच्छे काम हैं, वे मेरे लिए ही बचे रहते हैं।

यह हमारी सरकार का सौभाग्य है कि इस प्रोजेक्ट को हमने अपने कार्यकाल में रफ्तार दी और इसे पूरा कर दिखाया। बीच में कोविड का कालखंड और खराब मौसम जैसी चुनौतियां थीं, फिर भी हमारी सरकार ने चुनौती को चुनौती देने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर में कई ऑल वेदर इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स बन रहे हैं, जो इस संकल्प की मिसाल हैं।

जम्मू-कश्मीर, मां भारती का मुकुट

पीएम मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर, मां भारती का मुकुट है। ये मुकुट एक से बढ़कर एक खूबसूरत रत्नों से जड़ा हुआ है। ये अलगअलग रत्न, जम्मू कश्मीर का सामर्थ्य हैं। यहां की पुरातन संस्कृति, यहां के संस्कार, यहां की आध्यात्मिक चेतना, प्राकृति का सौंदर्य, यहां की जड़ी बूटियों का संसार, फलों और फूलों का विस्तार, यहां के युवाओं का कौशल... मुकुट मणि की तरह चमकता है।

अब जब रेल कनेक्टिविटी जुड़ गई है, तो यह प्रतिभा देश-दुनिया में अपना स्थान बनाएगी। रेल प्रोजेक्ट के फायदे गिनाते हुए उन्होंने कहा कि चाहे चिनाब ब्रिज हो या अंजी ब्रिज, ये जम्मू और कश्मीर दोनों क्षेत्रों की समृद्धि का जरिया बनेंगे। टूरिज्म बढ़ेगा ही, साथ में अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को भी लाभ मिलेगा। अब कश्मीर के उत्पाद कम लागत में देश के बड़े बाजारों तक पहुंच पाएंगे, समय पर पहुंच पाएंगे। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर की रेल कनेक्टिविटी से व्यापारियों और उद्योगों को नए अवसर मिलेंगे। अब यहां के लोगों के लिए देश के दूसरे हिस्सों में आना-जाना भी आसान हो जाएगा। यह नया युग है, जहां विकास की सीटी हर गांव, हर घाटी में गूंजेगी।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज—भारत की सांस्कृतिक शक्ति का उदाहरण

प्रधानमंत्री मोदी ने विशेष रूप से श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल एक अस्पताल नहीं, बल्कि दान-पुण्य और श्रद्धा की हमारी संस्कृति का प्रतीक है। इस मेडिकल कॉलेज की स्थापना में जो राशि लगी है, वह देश के कोने-कोने से माता के भक्तों द्वारा दान में दी गई है।उन्होंने बताया कि अस्पताल की क्षमता 300 बेड से बढ़ाकर अब 500 बेड की जा रही है। कटरा आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को इसका बड़ा लाभ मिलेगा।

पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले आदिल का भी जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में लगातार रोजगार के नए अवसरों का सृजन कर रही है, जिसमें पर्यटन (टूरिज्म) एक अहम जरिया बनकर उभरा है।

उन्होंने कहा कि टूरिज्म से रोजगार मिलता है और यह लोगों को जोड़ता है, लेकिन दुर्भाग्यवश भारत का पड़ोसी देश न सिर्फ मानवता का विरोधी है, बल्कि टूरिज्म और गरीब की रोटी तक का दुश्मन है। पीएम मोदी ने कहा कि पहलगाम जैसे क्षेत्रों में बीते पांच वर्षों में रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंचे, जिससे गरीबों के घरों का चूल्हा जला। लेकिन पाकिस्तान की ओर से इसे भी निशाना बनाया गया। उन्होंने आतंकवादियों की साजिशों को उजागर करते हुए बताया कि घोड़े चलाने वालों, गाइड्स और मेहनतकश युवाओं तक को आतंक की भेंट चढ़ाने की कोशिश हुई। पीएम ने पहलगाम हमले में जान गंवाने वाले आदिल का भी जिक्र किया। कहा कि वह मेहनत-मजदूरी करके घर चलाता था और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों का शिकार बन गया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग अब आतंकवाद को करारा जवाब दे रहे हैं और यह प्रदेश अब आतंक को नहीं, विकास को स्वीकार कर रहा है।

कहा कि बीते दशकों में जम्मू-कश्मीर के लोगों ने मान लिया था कि हालात कभी नहीं बदलेंगे, लेकिन आज वही लोग उम्मीद, भरोसे और नए सपनों के साथ खड़े हैं। आतंक और अलगाव की राजनीति को पीछे छोड़कर जम्मू-कश्मीर आगे बढ़ने का संकल्प ले चुका है, और सरकार ने यह बदलाव कर के दिखाया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज जम्मू-कश्मीर का नौजवान आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। यहां लोकतंत्र और चुनाव जैसे आयोजन अब दुश्मनों के लिए चुनौती बन गए हैं। यह बदलाव जम्मू-कश्मीर के लोगों की हिम्मत और भारत सरकार की इच्छाशक्ति का प्रमाण है।

पाकिस्तानी गोलीबारी से प्रभावित परिवारों को मिलेगी और अधिक सहायता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत के हर नागरिक की ताकत देश की सीमाओं की रक्षा में लगी है और जब पाकिस्तान की ओर से आतंक और गोलीबारी की कयामत बरपाई जाती है, तब पूरा देश एकजुट होकर खड़ा होता है। उन्होंने बताया कि सीमा पार से हुई फायरिंग में जिन लोगों की जान गई, उनके परिजनों को हाल ही में नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलाबारी से प्रभावित हुए 2000 से अधिक परिवारों की पीड़ा, सरकार की भी अपनी पीड़ा है। उन्होंने बताया कि इन परिवारों को पहले ही घरों की मरम्मत के लिए आर्थिक सहायता दी गई थी, लेकिन अब केंद्र सरकार ने इस सहायता को और बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि जिन घरों को गंभीर नुकसान हुआ है, उन्हें अब दो लाख की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। इसके अलावा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों को एक लाख की मदद दी जाएगी। यह सहायता पहली बार दी गई राशि के अतिरिक्त होगी।

कठुआ से जम्मू तक हाईवे को सिक्स-लेन एक्सप्रेसवे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए करीब दस हजार नए बंकर बनाए गए हैं, जो ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात में लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर डिवीजन के लिए बॉर्डर बटालियन का गठन किया गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने बताया, क्यों बनाई मंच से दूरी

भोपाल। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने फेसबुक पोस्ट के माध्यम से बताया है कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कार्यक्रमों में मंच पर बैठने से दूरी क्यों बनाई है। उन्होंने कहा कि हमें कार्यकर्ताओं के बीच रहना होगा। सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में मैंने अनुभव किया है कि जिन्हें मंच मिलना चाहिए वे उससे वंचित रह जाते हैं और नेताओं के समर्थक मंच पर अतिक्रमण कर लेते हैं। जिससे बेवजह मंच पर भीड़ होती है, अव्यवस्था फैलती है और कई बार मंच टूटने जैसी अप्रिय घटनाएं भी हो जाती हैं। सिंह ने फोटो का एक कोलाज शेयर किया है, जिसमें वह कार्यकर्ताओं के साथ बैठे नजर आए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि मेरा मंच पर न बैठने का निर्णय केवल व्यक्तिगत विनम्रता नहीं बल्कि संगठन को विचारधारात्मक रूप से सशक्त करने की सोच को लेकर उठाया गया कदम है। यह निर्णय कांग्रेस की मूल विचारधारा—समता, अनुशासन और सेवा का प्रतीक है। आज कांग्रेस का कार्य करते हुए कार्यकर्ताओं को नया विश्वास और हौसला चाहिए। इसके लिए संगठन में जितनी सादगी होगी उतनी सुदृढ़ता आएगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि मैंने मध्यप्रदेश में 2018 में पंगत में संगत और 2023 में समन्वय यात्रा के दौरान भी मंच से परहेज किया, जिसका एकमात्र उद्देश्य रहा है कि कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच कोई दूरी न रहे और भेदभाव पैदा करनेवालों को सामंजस्य की सीख दी जा सके। एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष रहते हुए ऐसी मिसाल प्रस्तुत कर चुके हैं। 17 मार्च 2018 को दिल्ली में तीन दिवसीय कांग्रेस का पूर्ण राष्ट्रीय अधिवेशन इस बात का गवाह रहा है। उस अधिवेशन में राहुल गांधी, सोनिया गांधी सहित सभी वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मंच से नीचे दीर्घा में ही बैठे थे। यहां तक कि स्वागत-सत्कार भी मंच से नीचे उनके बैठने के स्थान पर ही हुआ। मैं समझता हूं, वह फैसला कांग्रेस पार्टी का सबसे सफलतम प्रयोग था। कांग्रेस अपनी शुरुआत से ही ऐसे उदाहरणों से भरी हुई है। महात्मा गांधी से लेकर राहुल गांधी तक अनेक मौकों पर नेताओं का जनता के बीच में रहना और उनके साथ बैठना मिसाल बनता रहा है।

बॉलीवुड अभिनेता डिनो मोरिया की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने कई ठिकानों पर की छापेमारी

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड एक्टर डिनो मोरिया इन दिनों अपनी फिल्मों से ज्यादा एक बड़े घोटाले को लेकर सुर्खियों में हैं। मुंबई की बहुचर्चित मीठी नदी सफाई घोटाले की जांच में उनका और उनके भाई सैंटिनो मोरिया का नाम सामने आया है। इस मामले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय ने करीब एक दर्जन लोकेशनों पर छापेमारी की है और सैंटिनो मोरिया को पूछताछ के लिए समन जारी किया गया है।

ईडी सूत्रों के अनुसार, घोटाले के मुख्य आरोपी केतन कदम के कॉल रिकॉर्ड्स की जांच में डिनो मोरिया और उनके भाई सैंटिनो का नाम सामने आया है। आरोप है कि इनकी केतन से कई बार बातचीत हुई, जिससे एजेंसी को संदेह है कि दोनों की इस घोटाले में किसी न किसी रूप में भूमिका हो सकती है। इससे पहले मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा भी डिनो और सैंटिनो से पूछताछ कर चुकी है। उन्हें पिछले हफ्ते ही तलब किया गया था।

क्या है मीठी नदी घोटाला?

मीठी नदी की सफाई के लिए मुंबई महानगरपालिका ने हाल ही में एक बड़ा अभियान चलाया था। इस सफाई अभियान में स्लज पुशर और ड्रेजिंग मशीनें किराए पर ली गईं थीं, जिनके लिए कोच्चि की एक कंपनी मैटप्रॉप टेक्निकल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को हायर किया गया था। आरोप है कि इन मशीनों को बाजार दर से काफी ऊंचे किराए पर लिया गया, और इस पूरी प्रक्रिया में भारी वित्तीय अनियमितता की गई।

घोटाले के मुख्य आरोपी केतन कदम और जय जोशी पर आरोप है कि उन्होंने मैटप्रॉप कंपनी के अधिकारियों और बीएमसी के स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज विभाग के कुछ अफसरों की मिलीभगत से करोड़ों रुपये का हेरफेर किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस घोटाले से मुंबई नगर निगम को लगभग 65.54 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। ईडी अब इस पूरे नेटवर्क की जांच कर रही है कि कैसे फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग इस भ्रष्टाचार से जुड़े और क्या उनके खिलाफ कोई ठोस साक्ष्य मौजूद हैं।

'गंभीर अपराधों में बिना सोचे-समझे न दें गिरफ्तारी पूर्व जमानत', सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि गंभीर अपराधों के मामलों में गिरफ्तारी पूर्व जमानत को बिना सोचे-समझे नहीं दिया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संजय करोल और संदीप मेहता की तीन जजों की पीठ ने यह टिप्पणी बिहार के एक हत्या के मामले में चार आरोपियों को दी गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत रद्द करते हुए की।

'पटना हाईकोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस वजह के दिया गया'

पीठ ने 1 मई को दिए गए आदेश में कहा, 'पटना हाईकोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस वजह के दिया गया है, जिसमें आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 307 (हत्या की कोशिश) जैसे गंभीर आरोप लगे हैं।' सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, 'यह आदेश संक्षिप्त और न्यायिक विश्लेषण से रहित है। ऐसे गंभीर मामलों में इस तरह से स्वचालित रूप से जमानत नहीं दी जा सकती। यह आदेश रद्द किया जाना चाहिए।'

बेटे के सामने ही की गई थी पिता की पिटाई

मामले में कोर्ट ने कहा कि एफआईआर और अन्य दस्तावेजों के अनुसार, शिकायतकर्ता के पिता की उसके सामने ही लोहे की रॉड और डंडों से पिटाई की गई थी, जिससे उसकी उसी दिन मौत हो गई। यह विवाद रास्ते में रुकावट को लेकर हुआ था। एफआईआर में आरोपियों की भूमिका साफ तौर पर बताई गई है और कहा गया है कि मृतक के जमीन पर गिरने के बाद भी उन पर हमला जारी रखा गया था।

'हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को समझने में चूक की'

कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता और आरोपों की प्रकृति को समझने में चूक की है। अब सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी व्यक्तियों को आठ हफ्तों के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। यह आदेश मृतक के बेटे द्वारा दायर याचिका पर दिया गया है, जिसमें आरोपियों को दी गई गिरफ्तारी पूर्व जमानत को चुनौती दी गई थी।

छोटी ड्रेस पहनना सुंदरता का पैमाना नहीं, लड़कियों को अच्छे कपड़े पहनने चाहिए : कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। महिलाओं के पहनावे को लेकर मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विवादित बयान दिया है। उनकी एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह कह रहे हैं कि उनके पास जो छोटे कपड़े पहनकर लड़कियां सेल्फी की इच्छा से आती हैं तो वह उन्हें सेल्फी देने से मना कर देते हैं। कैलाश विजयवर्गीय ने यह भी हिदायत दी कि लड़कियों को अच्छे कपड़े पहनकर आना चाहिए।

मिली जानकारी के अनुसार, विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर गुरुवार को इंदौर के नेहरू पार्क स्थित सिंदूर वाटिका में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय शामिल हुए थे।

कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विदेश में एक चीज काफी प्रचलित है जो कि मुझे पसंद नहीं है। विदेशों में कम कपड़े पहनने वाली लड़कियों को सुंदर माना जाता है, लेकिन हमारे देश में महिलाओं को देवी का स्वरूप माना जाता है, वे अच्छे कपड़े पहने, अच्छे गहने पहने, अच्छा श्रृंगार करे। कहा जाता है कि कम कपड़े पहनने वाली लड़की सुंदर होती है, उसी तरह कम भाषण देने वाला नेता भी अच्छा होता है, लेकिन मैं इस कहावत को नहीं मानता।

उन्होंने कहा कि कई बार कार्यक्रम के दौरान कुछ लड़कियां सेल्फी खिंचवाने के मकसद से मेरे पास आती हैं तो मैं साफतौर पर मना कर देता हूं। मैं उनसे कहता हूं कि अच्छे कपड़े पहन कर आना। कैलाश विजयवर्गीय के कम कपड़े को लेकर दिए बयान के बाद सियासत भी तेज हो गई है। कैलाश विजयवर्गीय के बयान की निंदा करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की मीडिया कोऑर्डिनेटर रश्मि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, भाजपा की महिलाओं के प्रति सोच। कैलाश विजयवर्गीय के महिलाओं के पहनावे पर दिए गए बयान को क्या कहेंगे। उनके विचार महिलाओं की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और पसंद पर अंकुश लगाने वाले और रूढ़िगत लैंगिक मानदंडों को मजबूत करने वाले लगते हैं। आधुनिक समाज में, व्यक्तिगत पहनावे की पसंद को सम्मानित किया जाना चाहिए, और ऐसे बयान अक्सर महिलाओं की आजादी और समानता के मूल्यों के खिलाफ माने जाते हैं। ये विचार लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों को कमजोर कर सकते हैं।

बांकेबिहारी कॉरिडोर: अलौकिक स्वरूप में दिखेगा वृंदावन, रोड मैप हुआ तैयार... ब्रज वालों की होगी चांदी ही चांदी

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। श्रीबांकेबिहारी कॉरिडोर निर्माण के साथ ही श्रीराधा-कृष्ण की लीला स्थली वृंदावन के अलौकिक स्वरूप को और निखारने की तैयारी है। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने पिछले कई माह की मशक्कत के बाद वृंदावन के विकास की योजना तैयार की है।

इससे न केवल कॉरिडोर के आसपास परिक्रमा मार्ग और यमुना के प्राचीन घाटों का पौराणिक स्वरूप देखने को मिलेगा, बल्कि वन-उपवन सहित अनेक जनसुविधाओं का भी विकास होगा। इससे कृष्ण भक्त आध्यात्मिक भूमि पर अद्भुत आनंद की अनुभूति कर सकेंगे। जिला प्रशासन और ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने कॉरिडोर के साथ ही वृंदावन के विकास का भी रोड मैप तैयार किया है। इसकी जानकारी दो दिन पहले पर्यटन सुविधा केंद्र पर व्यापारियों के साथ बैठक करते हुए मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने भी दी थी।

इस योजना के तहत कॉरिडोर के सामने ही यमुना पर भव्य सिग्नेचर ब्रज भी बनेगा, जो वृंदावन में वाहनों की भीड़ को नियंत्रित करेगा। कॉरिडोर के निकट ही यमुना रिवर फ्रंट विकसित होगा। परिक्रमा मार्ग के विकास के लिए भी योजना तैयार की गई है। इनके साथ ही पर्यटकों की सुविधाओं के लिए अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि कॉरिडोर बनने के साथ ही आध्यात्मिक नगरी वृंदावन में विकास कार्यों की नवीन शृंखला शुरु होगी।

बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर बनने के बाद मथुरा-वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को संख्या में इजाफा होगा। इससे पर्यटन हब के रूप में विकसित करने का भी रास्ता सुगम होगा। वर्तमान स्थिति के सापेक्ष दोगुनी संख्या में श्रद्धालु आएंगे।

बांके बिहारी मंदिर में सजा फूल बंगला

स्थानीय प्रशासन और कारोबारियों का मानना है कि जैसे-जैसे सुविधाओं में विस्तार होता है। लोगों का रुझान उन स्थानों के प्रति बढ़ता है। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर इसका ताजा उदाहरण है। वहां अब दोगुनी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रीबांके बिहारी की धूम विदेशों में भी है। काशी नरेश से ज्यादा वृंदावन के बांके के भक्त दुनिया में हैं।

यह दावा पर्यटन विभाग के आंकड़े बताते हैं। विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में मथुरा जिले में करीब 21.96 करोड़ श्रद्धालुओं आए हैं। इसमें सबसे अधिक 2.55 करोड़ श्रद्धालु वृंदावन में श्रीबांकेबिहारी के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। इसमें 70 हजार विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश में आगरा के बाद सबसे अधिक विदेशी मथुरा में आते हैं। ब्रज में आने वाले भारतीय और विदेशी श्रद्धालुओं के लिए वृंदावन के श्री बांके बिहारी सबसे प्रमुख हैं। इसके अलावा गोवर्धन, कुसुम सरोवर, राधाकुंड, गोकुल, बरसाना, नंदगांव, महावन भी शामिल हैं।

कॉरिडारे निर्माण के बाद श्रद्धालुओं में होगी दोगुना बढ़ोतरी

अधिकारियों के मुताबिक, मथुरा-वृंदावन में आने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा साल दर साल बढ़ता जा रहा है। हर साल आठ से 10 लाख पर्यटकों में इजाफा हो रहा है। अधिकारियों का दावा है कि कॉरिडोर निर्माण के बाद आंकड़ा दो गुना हो जाएगा।

वृंदावन में साल दर साल बढ़ रहे श्रद्धालु

वर्ष-श्रद्धालुओं की संख्या

2021-90 (लाख) कोविड के चलते हुए कम

2022-1.25 (करोड़)

2023-1.75 (करोड़)

2024-2.55 (करोड़)

(नोट-विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं)

गौ सेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं, प्रभु आराधना भी है यह : दिनकर सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। गोरक्ष पीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस को मनाने के लिए तय किए गए साप्ताहिक कार्यक्रम के तहत विश्व हिंदू महासंघ ने 6 जून को नगर के सौरमऊ स्थित कान्हा गौशाला में गौ सेवा करते हुए गायों को हरा चारा, केला, हरी सब्जी व गुड़ खिलाया। जिला अध्यक्ष डॉ कुंवर दिनकर प्रताप सिंह ने कहा कि गौ सेवा का यह कार्यक्रम पुण्य का मार्ग और मोक्ष का द्वार मानने वाली भारतीय संस्कृति के अनुरूप आयोजित किया गया है, वरिष्ठ पदाधिकारी राकेश मिश्रा ने कहा कि कार्यक्रम योगी के जन्मदिवस के अवसर पर तो है लेकिन साथ ही मानवीय करुणा और जीवों के प्रति संवेदना जागृत करना भी इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रशासन से निवेदन भी किया की कैसे भी करके गौकशी पर पूर्ण अंकुश लगाया जाये कार्यक्रम में संरक्षक रतन कसौधन, जिलाध्यक्ष दिनकर सिंह, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, राकेश कुमार मिश्र (अधि.), सेनजीत कसौंधन दाऊ, राजेश पाठक, विनीत मिश्र, संतोष तिवारी, राकेश सिंह दद्दू, विपिन सोनी आदि उपस्थित रहे।

मासूम बच्ची को आधी रात उठा ले गया था दरिंदा, हैवानियत की सभी हदें की पार ; पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की तड़के पुलिस ने ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। वह भागने की फिराक में था। इससे पहले की जिले की सीमा छोड़ता, उसका सामना पुलिस से हुआ।

डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि पांच जून की सुबह 10 बजे शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया कि ढाई वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। मामले में केस दर्ज करके आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गईं।

सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान दीपक वर्मा के रूप में हुई। पुलिस कमिश्नर को एक लाख रुपये का इनाम घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया था। इनाम घोषित होने से पहले मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी क्षेत्र में है। वह भागने की फिराक में है।

इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग झोंकनी शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि आरोपी ऐशबाग क्षेत्र का रहने वाला है। वह रेलवे में पानी में बेचने का काम करता है। इसके साथ ही जागरण आदि कार्यक्रमों में झांकी लगाने का भी काम करता है। उसके पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद हुई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना आलमबाग इलाके की थी। यहां तीन साल की दिव्यांग बच्ची अपने माता-पिता के साथ रहती थी। आरोपी ने रात में उसे अगवा कर लिया। इसके बाद दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आलमबाग मेट्रो स्टेशन के पास बच्ची से दरिंदगी हुई है।

माता-पिता के काफी देर ढूंढने के बाद बच्ची गंभीर हालत में मिली। इसके बाद उसे लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। हालत नाजुक देखते हुए उसे पीजीआई के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाला तो आरोपी की पहचान हुई।

तीन वांछित अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

सुल्तानपुर। पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश में चलाए जा रहे अभियान के तहत कादीपुर थाना पुलिस ने तीन वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राम आसरे मिश्रा पुत्र रामदौर मिश्रा, श्रीचन्द्र पुत्र पंचम और संगीता शुक्ला पत्नी अनिल कुमार शामिल हैं। तीनों आरोपी रानीपुर कायस्थ और गोपालपुर नमाजगढ़ के रहने वाले हैं। इन आरोपियों पर मुकदमा संख्या 0292/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। आरोपियों ने मुकदमा संख्या 237/25 में नामजद ऋषभ शुक्ला समेत पांच अन्य आरोपियों को संरक्षण दिया था। कोर्ट में पेश कर भेजा जाएगा जेल। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर के नेतृत्व में वरिष्ठ उप निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, उप निरीक्षक पंकज कुमार राय, हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र प्रताप सिंह और महिला हेड कांस्टेबल ममता यादव की टीम ने यह कार्रवाई की। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

अराजकतत्वों ने हनुमान मंदिर के पास फेंका मांस का टुकड़ा, लोगों में आक्रोश, पुलिस ने मामला संभाला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अमेठी। यूपी के अमेठी में प्राचीन हनुमान मंदिर के पास अराजकतत्वों ने मुर्गे का मांस फेंक दिया। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। सुबह दर्शन को मंदिर पहुंचे श्रद्धालुओं ने मांस का टुकड़ा देखा तो हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता भी पहुंच गए।

घटना संग्रामपुर क्षेत्र के शीतलागंज पुन्नपुर गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के पास की है। सूचना पर क्षेत्राधिकारी मनोज मिश्रा एवं थाना प्रभारी बृजेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाकर शांत किया। मांस का टुकड़ा वहां से हटवाकर मिट्टी के नीचे दबवा दिया।

मौके पर पहुंचे विश्व हिंदू परिषद के जिला महामंत्री अभिमन्यु उपाध्याय ने कहा कि यह सुनियोजित तरीके से किया गया है। ताकि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ा जा सके। पुलिस ने दोषियों के विरुद्ध 24 घंटे के भीतर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने बताया कि मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है। दोषियों की पहचान करके आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

वाटर सिंप्रकलर वाहन विथ हाई प्रेशर जेटिंग मशीन का किया लोकार्पण

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा शहर में बढ़ती हुयी गर्मी, हीट वेव से बचाव एवं प्रभावों को न्यून करने व सामान्य अग्निशमन के लिए पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल द्वारा वाटर सिंप्रकलर वाहन विथ हाई प्रेशर जेटिंग मशीन का विधिवत पूजन कर हरी झण्डी देकर लोकार्पण किया गया। 'पालिकाध्यक्ष ने बताया कि इस वाहन के उपयोग से सड़क पर राहगीरों व आमजनमानस को धूल शमन व भीषण गर्मी से राहत मिलेगी, वायु प्रदूषण को भी कम करेगा, साथ ही सड़कों व डिवाइडरों की धुलाई व सामान्य आग लगने पर उपयोगी है'। इस अवसर पर पालिका के अधिशासी अधिकारी लाल चन्द्र सरोज, सभासद सुधीर तिवारी, विजय कुमार जायसवाल, भैयादीप सिंह, मो0 आरिफ, अफजल अंसारी, रमेश सिंह ''टिन्नू'', गिरीश कुमार मिश्र, अखिलेश मिश्र, अरविन्द यादव एवं अजय सिंह, देवानन्द, अहमद भाई, राजू पीको, संदीप गुप्ता, मंगरू प्रसाद प्रजापति एवं सै0 अख्तर मेंहदी आब्दी कर अधीक्षक, प्रवीण सिंह राजस्व निरीक्षक, श्रीमती अधूलिका, सफाई निरीक्षक, पुनीत कुमार गुप्ता, प्र0 कार्यालय अधीक्षक, पवन कुमार शुक्ला, प्र0जल-कल लिपिक, कुंवर प्रताप सिंह, हनुमान सिंह, प्रशान्त रावत, दीपक रावत, साहिल आदि कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

16 साल के लड़के का कत्ल : गला दबाया ... ईंट से कुचला सिर, लाश के संग की ऐसी बर्बरता ; नहीं कांपे सोहेले के हाथ

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा के शाहगंज के वायु विहार मार्ग पर मंगलवार को हुई एक किशोर की हत्या का खुलासा पुलिस ने 24 घंटे बाद कर दिया। पुराने कर्मचारी सोहेल को मुठभेड़ में गिरफ्तार करने पर पूछताछ में वजह भी सामने आ गई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि किशोर उसे अक्सर चोर बोलकर चिढ़ाता था।

इससे पहले गला दबाया, फिर ईंट से प्रहार कर मार डाला। शाहगंज इलाके के रहने वाले फैक्टरी कर्मचारी के तीन बेटे और एक बेटी है। किशोर उम्र का बेटा (16) मंगलवार शाम को 4:30 बजे घर से निकला था। मगर, वापस नहीं आया।

रात 11 बजे पृथ्वीनाथ फाटक पुलिस चौकी पर सूचना दी गई। बुधवार को पुलिस को पथौली मार्ग पर एक शव मिला। परिजन ने कपड़ों और फोटो से पहचान की। सिर पर प्रहार थे। गला भी दबाया गया था।

पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इसमें वह एक युवक के साथ स्कूटर पर जाता नजर आया। स्कूटर चालक की पहचान दौरैठा निवासी सोहेल के रूप में हुई। बुधवार देर रात पुलिस पथौली मार्ग पर हत्यारोपी की तलाश के लिए चेकिंग कर रही थी। तभी वह स्कूटर से जाता नजर आया।

रोकने पर सोहेल ने पुलिस पर फायर किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली पैर में लगने से सोहेल घायल हो गया। उसे गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

-दो बार लाश को देखने आया, फिर किए प्रहार

एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी ने बताया कि सोहेल और किशोर उम्र का लड़का दोनों पास रहते थे, दोनों में पहचान थी। किशोर अक्सर सोहेल को चोर कहकर कमेंट करता था। यह बात उसे नागवार लगती थी। वारदात वाले दिन सोहेल उसे स्कूटी पर बैठाकर ले गया। वायु विहार मार्ग पर किशोर का गला दबाया और फिर ईंट से सिर पर प्रहार किए।

शव को झाड़ियों में फेंका और वहां से चला गया। कुछ देर बाद फिर से दो बार वहां आया, जिससे पता कर सके कि किशोर कहीं जिंदा तो नहीं बच गया। झाड़ियों में पड़ी किशोर की लाश पर उसने ईंट से प्रहार किए। इसके बाद वो वहां से निकल गया।

पांच साल पहले साथ में करता था काम

लड़के के पिता ने बताया कि वह पांच साल पहले आजमपाड़ा में रहते थे। कपड़े की ठेल लगाते थे। मकान के पीछे वाली गली में आरोपी सोहेल भी रहता था। वह अक्सर ठेल पर काम करने के लिए आ जाता था। मगर, उसकी आदत ठीक नहीं थी। चोरी करता था। इस कारण घर में आना रोक दिया। बेटे से भी बात करने के लिए मना कर दिया। मगर, वो अक्सर घर के बाहर से निकलकर जाता था।

एसीपी ने बताया कि सोहेल को नवंबर, 2024 में थाना लोहामंडी पुलिस पकड़ा था। उसने एक चाय वाले से धोखाधड़ी की थी। चाय वाले को बाइक शोरूम में ले गया था। उसे अपना पिता बताया था। इसके बाद टेस्ट ड्राइव के बहाने बाइक ले गया था। पुलिस ने उसे जेल भेजा था।

जनाब मुस्लिम इब्ने अकील की शहादत पर शुक्रवार को मजलिस व जुलूस का आयोजन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद जामा मस्जिद अमहट में एक मजलिस हुई जिसको मौलाना मोहम्मद जाफर खान ने पढ़ा,उन्होंने बताया कि मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन अ.ने.ईराक के कूफा शहर में अपने चचेरे भाई को अपना उत्तराधिकारी व राजदूत बनाकर कूफा भेजा था और स्वयं हुसैन करबला आ रहे थे। यजीदी हुकूमत ने जनाबे मुस्लिम को 9जिलहिज सन् 60 हिजरी को शहीद कर दिया उसी याद में शिया बाहुल्य इलाके अमहट गोराबारिक मजलिस के बाद शबीह ताबूत का जुलूस उठकर हुसैनिया नौतामीर पर समाप्त हुआ। जिसमें अंजुमन असगरिया गोराबारिक असगरिया कदीम अमहट ने नौहा मातम किया इसके अलावा अलीगढ़, अलीनगर, तुराबखानी, खैराबाद, हसनपुर, मनियारपुर, जूडूपुर, प्रतापपुर, मनियारी, वलीपुर, कारीभीट, इसौली, सैदखानपुर, लुसहा, भाई, पीथापुर, लौहर दक्षिण,सैदपुर चीनी मिल हयातनगर, कोटवा, सुरौली, मूँगर ,बेलहरी, पियारेपुर, सजैया, करीमपुर, चुनहा, करौंदिया माल्हा में मजलिस व जुलूस का आयोजन किया गया।

ससुराल जा रही थी दुल्हन, अचानक रास्ते में पहुंचा बॉयफ्रेंड, दूल्हे से कही एक बात... पल भर में गायब हो गई गर्लफ्रेंड, क्या है कहानी?

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के बाद दुल्हन विदा होकर कार से ससुराल जा रही थी। इसी बीच, रास्ते में उसका प्रेमी आ गया और गाड़ी रुकवा दी। उसने दूल्हे से बोला कि दुल्हन की मां की तबीयत बहुत ज्यादा सीरियस हो गई है। ऐसे में मां से दुल्हन का मिलना जरूरी है। मैं अभी मिलवा कर आता हूं। पति ने भी पत्नी को जाने दिया। वहीं रुककर इंतजार करने लगा। जब कई घंटे बाद भी दुल्हन नहीं लौट कर आई, तब दूल्हा ससुराल पहुंचा और पूरी कहानी बताई। इसके बाद पूरा मामला समझ में आया कि नई नवेली दुल्हन अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई है।

मामला बिरनो थाना क्षेत्र के एक गांव का है। दुल्हन अपने प्रेमी के साथ बाइक पर बैठकर फरार हो गई। प्रेमी शादीशुदा है और 3 बच्चों का पिता है। इस मामले में दुल्हन के पिता ने आरोपी प्रेमी के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बीते 3 जून की रात में बिरनो थाना क्षेत्र के एक गांव में बारात आई थी। दूल्हा व उसके पूरा परिवार ने रीति-रिवाजों से शादी की सभी रस्में पूरी कीं। सुबह होने पर दुल्हन को विदा कराकर दूल्हा कार से अपने घर के लिए चला। जानकारी के मुताबिक, दुल्हन का पहले से ही गांव के ही एक शादीशुदा युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसकी जानकारी दुल्हन के परिजन को भी थी।

रास्ते में पहुंचा बॉयफ्रेंड

इस बीच, जब दुल्हन विदा होकर ससुराल के लिए चली तो रास्ते में एक बाइक सवार युवक आया और कार रोककर दूल्हे बृजेश कुमार से बोला कि दुल्हन की मां की तबीयत अचानक से खराब हो गई है। दुल्हन को मां से मुलाकात कराकर अभी वापस आ रहा हूं।

इसके बाद दुल्हन को अपनी बाइक पर बिठाया और वहां से फरार हो गया। जब काफी देर तक दुल्हन वापस नहीं आई तो दूल्हा उसे ढूंढते हुए अपनी ससुराल तक पहुंचा। इसके बाद वहां उसे पूरी बात का पता चला तो वो अवाक रह गया। उसे पता चल गया कि उसकी पत्नी अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई है।

क्या बोला दूल्हा?

दूल्हे ने बताया कि उसके द्वारा करीब 2 लाख रूपए के गहने शादी में चढ़ाए गए थे, जिसे दुल्हन ने पहने थे और अब वो उन्हें लेकर फरार हो गई है। इधर, घटना के बाद दुल्हन के पिता ने थाने में तहरीर दी है। एसओ बिरनो ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बहरहाल, घटना की पूरे क्षेत्र में खूब चर्चा है।

दूध और जलेबी बन गई मौत ...पूरे परिवार की बिगड़ी हालत, घर के मुखिया की चली गई जान ; अन्य की हालत गंभीर

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। फिरोजाबाद के टूंडला में दशहरा पर्व पर दूध-जलेबी खाकर सोया पूरा परिवार बीमार होकर बेहोशी हालत में पहुंच गया। सुबह बिगड़ी हालत के बीच युवक ने चाचा को सूचना दी। मौके पर पहुंचे चाचा ने सभी को आगरा अस्पताल में भर्ती कराया, जहां परिवार के मुखिया की मौत हो गई, अन्य परिजनों का उपचार चल रहा है।

मामला थाना टूंडला के हाईवे के निकट बन्ना रोड, जैन एन्ड संस कोल्डस्टोरेज के निकट का है। गांव मोहम्मदाबाद निवासी सत्यपाल यादव 47 ने अपने खेत पर ही मकान बना लिया है। बृस्पतिवार रात्रि को परिवार के सभी ने गों ने खाना खाने के बाद दूध जलेबी खाई थी तथा सो गए थे। शुक्रवार सुबह सात बजे करीब पुत्र बंटी ने अपनी व परिवार की हालत देखी तो वह घबरा गया। उसने तत्काल गांव में रह रहे अपने चाचा विश्वनाथ यादव को सूचना दी। मौके पर पहुंचे चाचा विश्वनाथ परिवार की हालत बेहद ख़राब देख आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए आगरा ले गए।

बीमार परिजनों को प्राइवेट अस्पताल भर्ती कराया। उपचार के दौरान सत्यपाल यादव की मौत हो गई। वहीं अस्पताल में पिता साहब सिंह यादव 75, पत्नी उर्मिला 45, बेटी सिमरन 23 और बेटा बंटी 25 का अस्पताल में उपचार चल रहा है। मृतक सत्यपाल के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए आगरा जिला अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी अंजीश कुमार सिंह का कहना है कि घटना कि उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई है। घटना की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ नगर निगम का समाधान दिवस रहा प्रभावशाली, 129 में से अधिकांश शिकायतों का मौके पर हुआ समाधान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ द्वारा नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और विभागीय जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रतिमाह आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस इस बार 6 जून 2025 को नगर निगम मुख्यालय स्थित त्रिलोकनाथ सभागार, लालबाग में आयोजित हुआ। यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। समस्याओं की गंभीरता को देखते हुए मौके पर ही अधिकांश शिकायतों का समाधान कर दिया गया, जिससे लोगों ने संतोष जताया।समाधान दिवस का आयोजन महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में हुआ, जिसमें नगर आयुक्त गौरव कुमार और अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, नम्रता सिंह, अरुण कुमार गुप्त, डॉ. अरविंद राव, जलकल जीएम कुलदीप सिंह, चीफ टैक्स असेसमेंट ऑफिसर अशोक सिंह समेत नगर निगम के सभी जोनों के जोनल अधिकारी, नगर अभियंता, स्वास्थ्य, उद्यान, सेनेटरी और पशु कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने जन शिकायतों को गंभीरता से सुनकर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की।इस समाधान दिवस में कुल 129 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें सर्वाधिक 107 शिकायतें टैक्स विभाग से संबंधित थीं। टैक्स संबंधी अधिकतर शिकायतें बकाया कर निर्धारण, वार्षिक मूल्य में संशोधन तथा जीआईएस आधारित त्रुटियों से जुड़ी थीं। सभी 107 शिकायतों का मौके पर समाधान कर दिया गया, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिली।नगर निगम द्वारा समाधान दिवस के दौरान जीआईएस त्रुटियों और आपत्तियों के समाधान पर विशेष ध्यान दिया गया। इसमें कई नागरिकों की संपत्तियों पर लगे अनावश्यक कर भार को संशोधित करते हुए राहत दी गई। राजाजीपुरम की पुष्पा टंडन की संपत्ति पर निर्धारित वार्षिक मूल्य को 32,400 से घटाकर 6,314.40 कर दिया गया। इसी प्रकार विवेकानंदपुरी के चंद्र किशोर दुलारे, पवनपुरी, ओमनगर की दीपा और मनोजन कश्यप, तथा गढ़ी पीर खां निवासी रशीहुल हक की संपत्तियों पर कर में उचित संशोधन करते हुए उन्हें राहत दी गई।जलकल विभाग से टैक्स और सीवर से जुड़ी 18 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 6 का समाधान तत्काल कर दिया गया। अतिक्रमण से जुड़ी 3 शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें जोन-3 और जोन-4 की शिकायतें शामिल रहीं। इन पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि तत्काल निरीक्षण कर अतिक्रमण हटवाया जाए। इसके अतिरिक्त, सफाई से जुड़ी एक शिकायत जोन-3 से प्राप्त हुई, जिसका निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।महापौर सुषमा खर्कवाल ने समाधान दिवस की सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह मंच प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद और सहयोग का सशक्त माध्यम बन चुका है। उन्होंने कहा, "हमारा उद्देश्य केवल समस्याओं को सुनना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। जिस प्रकार से नगर निगम के सभी विभागों ने तत्परता और गंभीरता के साथ कार्य किया, वह सराहनीय है। हम भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।"नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस नगर निगम की पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिकोन्मुखी दृष्टिकोण का प्रमाण है। यह आयोजन केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि नागरिकों को यह भरोसा देने का प्रयास है कि नगर निगम हर समस्या को सुनता है और समाधान हेतु तत्पर रहता है।कार्यक्रम के अंत में नगर निगम ने नागरिकों से यह अपील की कि वे आगामी समाधान दिवसों में भाग लें और सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर पहुंचें, ताकि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा सके।संपूर्ण समाधान दिवस अब केवल शिकायत निवारण का मंच नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास और उत्तरदायित्व का सेतु बनता जा रहा है। नगर निगम की यह पहल न केवल नागरिक संतुष्टि को बढ़ावा देती है, बल्कि एक उत्तरदायी और संवेदनशील प्रशासन की भी मिसाल पेश करती है।

ईद-उल-अजहा को लेकर लखनऊ पुलिस सतर्क, शहर भर में रहेगा कड़ा सुरक्षा घेरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व 7 जून 2025 को लखनऊ में पारंपरिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। पर्व के दौरान शांति व्यवस्था, सुरक्षा और यातायात की सुगमता सुनिश्चित करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस की तैयारियों का संचालन व निगरानी उच्चाधिकारियों के पर्यवेक्षण में किया जाएगा।पुलिस कमिश्नरेट की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, ईदगाह ऐशबाग में सुबह 10 बजे, टीले वाली मस्जिद चौक में सुबह 9 बजे, बड़ा इमामबाड़ा स्थित आसिफी मस्जिद में पूर्वान्ह 11 बजे और ठाकुरगंज की जामा मस्जिद में भी विशेष नमाज अदा की जाएगी। इन प्रमुख स्थलों के आसपास किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुल 14 राजपत्रित अधिकारी, 1300 अराजपत्रित पुलिसकर्मी, 07 कंपनियां पीएसी और 01 कंपनी आरएएफ की तैनाती की गई है।इसके अलावा पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने पीस कमेटी की बैठकें आयोजित की है और विभिन्न धर्मगुरुओं से संवाद स्थापित कर आपसी सहयोग का माहौल सुनिश्चित किया है। हर जोन में अतिरिक्त 13 कंपनियां पीएसी और एक कंपनी आरएएफ भी सुरक्षा घेराबंदी में सहयोग करेंगी।पुलिस द्वारा तकनीकी निगरानी की भी विशेष व्यवस्था की गई है। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से नमाज स्थलों, प्रमुख मार्गों और चौराहों की लगातार निगरानी की जाएगी। खासकर टीले वाली मस्जिद, ऐशबाग ईदगाह और बड़ा इमामबाड़ा जैसे संवेदनशील स्थलों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

उत्तर क्षेत्रीय विद्युत मंत्रियों के सम्मेलन में ऊर्जा मंत्री ए .के . शर्मा ने प्रस्तुत की राज्य की उपलब्धियाँ

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ/चंडीगढ़। भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को चंडीगढ़ में आयोजित उत्तर क्षेत्रीय विद्युत मंत्रियों के सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने भाग लेते हुए प्रदेश की ऊर्जा क्षमताओं, उपलब्धियों और आगामी जरूरतों को विस्तार से प्रस्तुत किया। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने की, जिसमें उत्तर भारत के कई राज्यों के ऊर्जा मंत्री एवं उच्चाधिकारी शामिल हुए।सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने बताया कि बीते आठ वर्षों में राज्य ने विद्युत उत्पादन, पारेषण और आपूर्ति के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। मार्च 2017 में जहां प्रदेश की कुल ऊर्जा उत्पादन क्षमता 15,000 मेगावाट थी, वह अब बढ़कर 25,000 मेगावाट हो गई है। वहीं, पारेषण उपकेंद्रों की क्षमता 39,159 एमवीए से बढ़कर 1,99,500 एमवीए तक पहुँच चुकी है। ट्रांसमिशन लाइनों की लंबाई भी 7,502 सर्किट किलोमीटर से बढ़कर 62,483 सर्किट किलोमीटर हो गई है, जो राज्य की बुनियादी संरचना में क्रांतिकारी सुधार का संकेत है।ए.के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश लगातार तीन वर्षों से विद्युत आपूर्ति के मामले में महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों से आगे निकलकर देश में शीर्ष पर बना हुआ है। 2024 में प्रदेश ने 30,618 मेगावाट की अधिकतम विद्युत आपूर्ति दर्ज की, जबकि महाराष्ट्र और गुजरात क्रमशः 28,924 व 25,588 मेगावाट पर रहे।मंत्री ने बताया कि जुलाई से सितंबर 2025 के दौरान प्रदेश में 32,500 मेगावाट तक की मांग का अनुमान है, जिसके लिए राज्य पूरी तरह तैयार है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तर प्रदेश ने संसाधन पर्याप्तता योजना तैयार की है और केंद्र सरकार की कई प्रमुख योजनाओं जैसे RDS-S और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-II में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है।हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 3,960 मेगावाट की नई ताप विद्युत उत्पादन क्षमता का लोकार्पण उत्तर प्रदेश में किया गया, जिससे राज्य की कुल उत्पादन क्षमता अब 8,500 मेगावाट तक पहुँच चुकी है। यह 2017 की तुलना में लगभग दोगुनी और 2022 की तुलना में 1.5 गुना अधिक है।ग्रीन एनर्जी की दिशा में भी राज्य अग्रसर है। ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-2 के तहत 4 गीगावाट की हरित ट्रांसमिशन क्षमता विकसित की जा रही है और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर-3 की योजना भारत सरकार को प्रस्तुत की गई है, जिसमें 17 गीगावाट क्षमता और 2,200 किमी लंबाई की विद्युत लाइनों का निर्माण प्रस्तावित है।

मंत्री शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास अब 17,000 मेगावाट से अधिक की आंतरिक उत्पादन क्षमता है, जो किसी भी राज्य से सबसे अधिक है। पारेषण नेटवर्क में भी राज्य ने आपातकालीन स्थितियों से निपटने हेतु 48 रिजर्व टावर तैयार रखे हैं।राज्य की मौजूदा पारेषण प्रणाली में 698 उपकेंद्र, 1,99,347 एमवीए की ट्रांसमिशन क्षमता और 58,672 सर्किट किमी की लाइनें हैं, जिन्हें वर्ष 2029-30 तक क्रमशः 816 उपकेंद्र, 2,73,542 एमवीए और 71,900 सर्किट किमी तक विस्तार देने की योजना है। इसी अवधि में कुल उत्पादन क्षमता 60,985 मेगावाट तक ले जाने की रूपरेखा भी तैयार है।अंत में मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश, जो कभी विद्युत व्यवस्था की बदहाली के लिए जाना जाता था, आज केंद्र और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में देश का सबसे अग्रणी राज्य बन चुका है। यह परिवर्तन प्रदेश की तकनीकी प्रगति, दूरदृष्टिपूर्ण नीतियों और प्रशासनिक दृढ़ता का परिणाम है।

चौकीदार की लोहे की रॉड से की गई पिटाई

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के सरसवां अर्जुनगंज में स्थित शान्ति एनक्लेव कॉलोनी में गार्ड को नौकरी करने वाले विकलांग व्यक्ति को कॉलोनी के ही व्यक्ति ने लोहे के फंटे से मारकर घायल कर दिया।

रामपुर गढ़ी जमुनी निगोहां लखनऊ के रहने वाले बागेश्वर गुप्ता के अनुसार वह विकलांग है और परिवार चलाने के लिए वह अर्जुनगंज के सरसवां में स्थित शान्ति एनक्लेव में गार्ड की नौकरी करता है।उसका आरोप है कि वहीं कॉलोनी के रहने वाले आरटीओ विनय कुमार अक्सर शराब पीकर आते हैं वह बुधवार/ गुरुवार की रात लगभग 2-3 बजे शराब पीकर आये तो गेट खोलने को लेकर उससे गली गलौज करने लगे पीड़ति ने इसका विरोध किया और इसी बीच उसने आरोपित से पैसे न देने की बात भी कह दी।इसपर आरोपित ने उसको वहीं पर पड़े लोहे के फंटे से मारना शुरू कर दिया जिससे विकलांग पीड़ति के जो एक हाथ है उसी हाथ से वह फंटे को रोकने लगा जिससे उसका वह हाथ भी फट गया जिसे कॉलोनी के लोगों ने अस्पताल भिजवाया।पीड़ति इसकी शिकायत करने सुशांत गोल्फ सिटी थाने पहुंचा तो वह घायल अवस्था मे ही घंटों थाने में बैठा रहा लेकिन इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी उपेन्द्र सिंह ने न ही उसका मेडिकल करवाया और न ही मुकदमा लिखा।काफी देर बाद जब आरोपित थाने पहुंचा और इंस्पेक्टर से मुलाकात की उसके बाद इंस्पेक्टर ने पीड़ति से मुकदमे के चक्कर मे न पड़ने की बात कहते हुए समझौता करवा दिया।इस समझौते में विकलांग पीड़ति की चोट की कीमत मात्र 8 हजार रुपये लगाई गई।

लखनऊ साइबर क्राइम थाना ने मई 2025 में 49 लाख से अधिक की ठगी की धनराशि पीड़ितों को लौटाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ के साइबर क्राइम थाना ने मई 2025 के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए साइबर ठगी के शिकार पीड़ितों को कुल 49,12,863.24 रुपये की धनराशि वापस दिलाई है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ और संयुक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त (अपराध) और अपर पुलिस उपायुक्त (अपराध) की निगरानी तथा सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) के पर्यवेक्षण में की गई।साइबर अपराधियों द्वारा विभिन्न तरीकों से लोगों को ठगने की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर क्राइम थाना लखनऊ के प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने प्रभावी कार्यवाही कर विगत माह कुल 14 मामलों में लगभग 49 लाख रुपये की धनराशि को ट्रेस कर पीड़ितों के बैंक खातों में सफलतापूर्वक लौटाया। प्रमुख मामलों में अपराध संख्या 60/2025 में 14.17 लाख रुपये, 36/2025 में 7.94 लाख रुपये, 34/2025 में 6.36 लाख रुपये, 59/2025 में 5.87 लाख रुपये तथा 17/2025 में 3.5 लाख रुपये की धनराशि पीड़ितों को वापस कराई गई। इस सराहनीय कार्य में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव के अलावा निरीक्षक अनिल कुमार मिश्र, डॉ. विनोद सिंह, दीपक कुमार पांडेय, शैनेन्द्र सिंह, उप निरीक्षक गुलाम हुसैन, रोहित पंवार, नीतू सिंह, मुख्य आरक्षी विवेक यादव, आरक्षी संजय कुमार, राजेश तिवारी, हेमन्त त्रिपाठी, सौरभ गंगवार, देव कुमार पांडेय, सचिन, महिला कांस्टेबल प्रियंका एवं दीपमाला सहित साइबर क्राइम थाना की पूरी टीम की सक्रिय भूमिका रही।साइबर क्राइम थाना की इस सफलता से न केवल पीड़ितों को आर्थिक राहत मिली, बल्कि आमजन में साइबर सुरक्षा के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हुआ है। थाना द्वारा यह प्रयास आगे भी लगातार जारी रहेगा।

दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ी तोड़ने की कार्रवाई पर बोलीं मायावती, कहा- पुनर्वास के बिना उजाड़ना अन्यायपूर्ण

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने दिल्ली में चल रही झुग्गी-झोपड़ी तोड़ने की कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से राजधानी में रह रहे गरीबों और मजदूरों के घरों को बिना किसी पुनर्वास की व्यवस्था किए तोड़ा जाना पूरी तरह से अनुचित और अमानवीय है।ट्विटर (अब एक्स) पर प्रतिक्रिया देते हुए मायावती ने लिखा, ₹दिल्ली में सरकार द्वारा वर्षों से रह रहे गरीबों व मजदूरों के घरों को बिना पुनर्वास की व्यवस्था किए तोड़ा जाना उचित नहीं। सरकार पहले इनके लिए पुनर्वास व वहाँ सभी जरूरी सुविधाएँ देने का प्रबंध करके, तब उन्हें हटाए। तभी इन गरीब मजदूरों के साथ न्याय होगा। यही सभी की माँग है।₹मायावती का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राजधानी के कई इलाकों में अतिक्रमण हटाने की मुहिम के तहत झुग्गियों को हटाया जा रहा है, जिससे सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं।

मोहनलालगंज कस्बे में अतिक्रमण हटाकर सौंदर्यीकरण और यातायात व्यवस्था सुधारने की पुलिस पहल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन में गुरुवार को मोहनलालगंज कस्बे में अतिक्रमण हटाने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त दक्षिणी निपुण अग्रवाल के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त अमित कुमावत के पर्यवेक्षण, सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा, प्रभारी निरीक्षक डी.के. सिंह और अधिशासी अधिकारी मोहनलालगंज के संयुक्त प्रयास से की गई।अभियान के तहत गोसाईगंज मोड़ और मौरावां मोड़ के पास स्थित सार्वजनिक स्थानों पर हुए अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाया गया। अतिक्रमण मुक्त कराए गए स्थलों पर सौंदर्यीकरण कार्य शुरू कर दिया गया है। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए स्थान-स्थान पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और नागरिकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमों का पालन करें।व्यापारियों को हिदायत दी गई है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग में ही लगाएं और दुकानों के सामने कोई ठेला, बोर्ड या सामग्री न रखें, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि चौराहों और तिराहों से 50 मीटर के दायरे में किसी भी वाहन को खड़ा करना प्रतिबंधित है। सड़क किनारे बनी सफेद पट्टी के भीतर भी वाहन खड़ा करना सख्त मना है।पुलिस प्रशासन ने चेतावनी दी है कि इन निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। मोहनलालगंज पुलिस और नगर प्रशासन ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह अभियान जनहित और कस्बे की सुव्यवस्थित व्यवस्था के लिए चलाया जा रहा है।

21 जून को योग दिवस को भव्य रूप देने की तैयारी, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने दिए ग्राम्य विकास विभाग को निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 21 जून 2025 को आयोजित होने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को ऐतिहासिक और भव्य रूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में योग को जन-जन के आरोग्य का माध्यम बनाकर इस दिवस को पूरे राज्य में व्यापक स्तर पर मनाया जाए।उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा है कि योग दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों में भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएं और इससे पहले संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार में कोई कोताही न बरती जाए, ताकि आम जन भी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में भाग लें और योग से लाभान्वित हों।योग कार्यक्रमों के लिए जिलों की सभी ग्राम पंचायतों में मनरेगा योजनांतर्गत निर्मित परिसंपत्तियों—जैसे अमृत सरोवर, खेल मैदान, पार्क, ओपन जिम, स्टेडियम, आंगनबाड़ी केंद्र और पंचायत भवन—पर विशेष साफ-सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं स्थलों पर योग कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई है।ग्राम विकास अधिकारियों, ग्राम प्रधानों, तकनीकी सहायकों, ग्राम रोजगार सेवकों, महिला मेट्स, जॉबकार्ड धारकों और मनरेगा श्रमिकों की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। साथ ही, सभी विकास खंडों के खंड विकास अधिकारियों और अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारियों को किसी न किसी कार्यस्थल पर अनिवार्य रूप से भाग लेने को कहा गया है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए स्थानीय योग संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों और प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों की मदद ली जाएगी।

मासूम बच्ची को आधी रात उठा ले गया था दरिंदा, हैवानियत की सभी हदें की पार, पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की तड़के पुलिस ने ढाई साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। वह भागने की फिराक में था। इससे पहले की जिले की सीमा छोड़ता, उसका सामना पुलिस से हुआ।

डीसीपी सेंट्रल आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि पांच जून की सुबह 10 बजे शिकायत मिली थी। इसमें बताया गया कि ढाई वर्ष की बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ है। मामले में केस दर्ज करके आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गईं। सीसीटीवी फुटेज से आरोपी की पहचान दीपक वर्मा के रूप में हुई। पुलिस कमिश्नर को एक लाख रुपये का इनाम घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया था। इनाम घोषित होने से पहले मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी क्षेत्र में है। वह भागने की फिराक में है। इस पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग झोंकनी शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को गोली लग गई। उसे अस्पताल ले जाया गया। वहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

डीसीपी सेंट्रल ने बताया कि आरोपी ऐशबाग क्षेत्र का रहने वाला है। वह रेलवे में पानी में बेचने का काम करता है। इसके साथ ही जागरण आदि कार्यक्रमों में झांकी लगाने का भी काम करता है। उसके पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद हुई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। घटना आलमबाग इलाके की थी। यहां तीन साल की दिव्यांग बच्ची अपने माता-पिता के साथ रहती थी। आरोपी ने रात में उसे अगवा कर लिया। इसके बाद दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आलमबाग मेट्रो स्टेशन के पास बच्ची से दरिंदगी हुई है।

माता-पिता के काफी देर ढूंढने के बाद बच्ची गंभीर हालत में मिली। इसके बाद उसे लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। हालत नाजुक देखते हुए उसे पीजीआई के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने सीसीटीवी खंगाला तो आरोपी की पहचान हुई।

डाबर इंडिया ने पुदीना को 'वंडर हर्ब' घोषित करते हुए शुरू किया जागरूकता अभियान, गर्मियों में पेट की समस्याओं के लिए बताया उपयोगी समाधान

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। देश की प्रमुख आयुर्वेद आधारित हेल्थकेयर कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने पुदीना की औषधीय उपयोगिता और लाभों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक विशेष अभियान की शुरुआत की है। लखनऊ में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कंपनी ने पुदीना को ₹वंडर हर्ब₹ यानी चमत्कारी जड़ी-बूटी के रूप में प्रतिष्ठित करते हुए इसके औषधीय गुणों पर विस्तार से चर्चा की।इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के आयुर्वेद फिजिशियन डॉ. ए.के. पाण्डेय और कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के मैनेजर दिनेश कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. पाण्डेय ने बताया कि पुदीना में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो खासकर गर्मियों के मौसम में पेट से जुड़ी समस्याओं के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध होते हैं। उन्होंने बताया कि चिलचिलाती गर्मी और लू के चलते शरीर के पाचन तंत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ता है, ऐसे में पुदीना युक्त उत्पाद जैसे डाबर पुदीन हरा राहत देने में मदद करता है।कार्यक्रम में डाबर हेल्थकेयर के विपणन प्रमुख अजय परिहार ने कहा, "आज के समय में उपभोक्ता बहुपरिचालित जीवनशैली में जी रहे हैं, उन्हें ऐसे उत्पादों की आवश्यकता है जो प्राकृतिक हों और प्रभावी भी। डाबर पुदीन हरा, गैस, अम्लता और अपच जैसी सामान्य लेकिन कष्टप्रद पेट की समस्याओं के लिए एक भरोसेमंद समाधान है। यह उत्पाद पारंपरिक आयुर्वेदिक ज्ञान पर आधारित है और बिना किसी कठोर रसायन के पेट की परेशानियों से राहत दिलाता है।"डॉ. पाण्डेय ने कहा कि आयुर्वेद की पांडुलिपियों में पुदीना का उल्लेख 3000 वर्ष पुराना है और इसे सदियों से पाचन संबंधी बीमारियों के लिए कारगर माना गया है। उन्होंने बताया कि पुदीना में मौजूद मेन्थॉल पाचन एंजाइमों को सक्रिय करता है, जिससे पाचन क्रिया बेहतर होती है और पेट की मांसपेशियों को आराम मिलता है। इसके सेवन से पेट की ऐंठन, गैस और अम्लता जैसी समस्याओं में तुरंत राहत मिलती है।डाबर का 'पुदीन हरा' ब्रांड, जो कि कंपनी की 100 साल पुरानी विरासत का हिस्सा है, अब टैबलेट, तरल, पाउडर और 'पुदीन हरा फिज' जैसे विभिन्न रूपों में उपलब्ध है। यह उत्पाद एल्यूमीनियम या मैग्नीशियम युक्त रासायनिक एंटासिड की तुलना में एक प्राकृतिक और सुरक्षित विकल्प प्रदान करता है।इस अभियान के माध्यम से डाबर इंडिया का उद्देश्य पुदीना जैसी पारंपरिक जड़ी-बूटियों की महत्ता को फिर से जनमानस में स्थापित करना और आधुनिक जीवनशैली में आयुर्वेदिक समाधान को प्रोत्साहित करना है।

लू से 700 मौतें हो गई, राजनीतिक दलों ने उफ तक नहीं की

योगेंद्र योगी

देश में आम लोगों की जिन्दगी कोई मोल नहीं है। कम से कम सरकारों और राजनीतिक दलों की नजर में तो बिल्कुल नजर नहीं आता। मुद्दा यदि वोट बैंक से जुड़ा हुआ हो, तभी राजनीतिक दल कुछ गंभीरता बेशक दिखा लें किन्तु लोगों के जीवन-मरण जैसे मुद्दों से लगता यही है कि उनका कोई सरोकार नहीं रह गया है। यदि ऐसा नहीं होता तो अदालतों को मौसम की मार से होने वाली मौतें रोकने के लिए सरकारों को दिशा-निर्देश नहीं देने पड़ते। आश्चर्य की बात यह है कि प्रतिकूल मौसम से आम लोगों को बचाने की जिम्मेदारी केंद्र और राज्यों की सरकारों की है, किन्तु यह काम भी अब अदालतों को करना पड़ रहा है। इससे सवाल खड़ा होता है कि आखिर सरकारों की जरूरत कितनी सीमित रह गई है।

हीटवेव से 700 से ज्यादा मौतों के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत ने पूछा है कि इतने बड़े मौसमी संकट से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर क्या तैयारी की जा रही है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गृह मंत्रालय, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। यह याचिका पर्यावरण कार्यकर्ता विक्रांत तोंगड़ ने दाखिल की। उन्होंने कोर्ट से गुजारिश की है कि सरकार को गर्मी की चेतावनी देने वाली प्रणाली, हीटवेव की पहले से जानकारी देने की व्यवस्था, और 24 घंटे काम करने वाली राहत हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं लागू करने के निर्देश दिए जाएं।

याचिका में यह भी बताया गया है कि 2019 में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हीटवेव से निपटने के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश जारी किए थे, लेकिन कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अब तक उस पर काम ही नहीं किया। याचिका में यह भी जिक्र है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 35 के अनुसार केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस तरह की आपदा से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम करे। इससे पहले राजस्थान हाईकोर्ट ने अधिकारियों के रवैये पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि पिछले साल दिए गए अदालत के निर्देशों को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। कोर्ट ने कहा कि यह कानून के शासन पर सवाल उठाता है। अधिकारी स्वयं को कानून से ऊपर मान रहे हैं, लेकिन कोर्ट आंख बंद करके नहीं बैठ सकता।

> **एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ कि पुरुषों में लू से होने वाली मौतों की आशंका ज्यादा पाई गई। एक और हालिया अध्ययन में यह बताया गया है कि हीटवेव से होने वाली मौतें जातीय आधार पर भी बंटी हुई हैं।**

इंसानों से जानवरों जैसा बर्ताव नहीं हो सकता और न जान बचाने के लिए धन की कमी का बहाना चल सकता। कोर्ट ने मुख्य सचिव से अदालती आदेशों की पालना के लिए समन्वय समिति बनाने और लू से बचाव के लिए कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया, वहीं केन्द्रीय गृह मंत्रालय, मुख्य सचिव व राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा केन्द्र व राज्य सरकार के 10 अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

मई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने देश के उत्तरी, मध्य और पश्चिमी भागों में गर्मियों के दौरान पडने वाली लू के मद्देनजर 11 राज्यों से कहा है कि वे कमजोर लोगों, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बाहरी कामगारों, वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और बेघर लोगों की सुरक्षा के लिए तत्काल एहतियाती कदम उठाएं, जो पर्याप्त आश्रय और संसाधनों की कमी के कारण जोखिम में हैं। वर्ष 2018 से 2022 के बीच गर्मी और लू के कारण 3,798 लोगों की मौत के बारे में एनसीआरबी के आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए आयोग ने एकीकृत और समावेशी उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। आयोग ने पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और राजस्थान के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में आश्रयों की व्यवस्था, राहत सामग्री की आपूर्ति, कार्य घंटों में संशोधन और गर्मी से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिए मानक प्रक्रियाओं की उपलब्धता की मांग की है।

भारत में वर्ष 2001 से 2019 के बीच हीटवेव यानी लू से करीब 20,000 लोगों की मौत हुई है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ कि पुरुषों में लू से होने वाली मौतों की आशंका ज्यादा पाई गई। एक और हालिया अध्ययन में यह बताया गया है कि हीटवेव से होने वाली मौतें जातीय आधार पर भी बंटी हुई हैं। भारत में हाशिए पर मौजूद समुदायों से ताल्लुक रखने वाले लोगों की मौतें, अन्य समुदायों की तुलना में, लू से कहीं ज्यादा हुईं। अध्ययन करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि यह एक तरह की 'थर्मल इनजस्टिस' (गर्मी से जुड़ा अन्याय) की स्थिति है। संयुक्त राष्ट्र के इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की 2021 की एक रिपोर्ट जैसी कई रिपोर्टों ने चेतावनी दी है कि भारत समेत एशिया के कई हिस्सों में आने वाले वर्षों में और भी एक्स्ट्रीम वेदर इवेंट्स, जैसे कि हीटवेव, देखने को मिलेंगी। हर साल गर्मी के रिकॉर्ड टूटते जा रहे हैं।

भारत के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, फरवरी 2025 भारत में बीते 125 वर्षों में सबसे गर्म फरवरी का महीना रहा है। टीम ने पाया कि 2001 से 2019 के बीच भारत में हीटस्ट्रोक से 19,693 मौतें और अत्यधिक ठंड से 15,197 मौतें दर्ज की गईं। हालांकि, यह संख्या असल आंकड़ों से कम हो सकती है क्योंकि अत्यधिक तापमान के संपर्क में आने से होने वाली मौतों की रिपोर्टिंग पर्याप्त रूप से नहीं होती। यह बात 29 अप्रैल को प्रकाशित एक अध्ययन में कही गई है, जो वैज्ञानिक पत्रिका 'टेम्परेचर' में प्रकाशित हुआ। अध्ययन में यह भी पाया गया कि हीटस्ट्रोक से मरने वालों में पुरुषों की संख्या अधिक थी; इस अवधि में महिलाओं की तुलना में पुरुषों की मौतें तीन से पांच गुना ज़्यादा थीं। इतना ही नहीं लू जैसी आपदा के अलावा बाढ़, अतिवृष्टि और बिजली गिरने जैसी आपदाओं में हर साल हजारों लोग काल कलवित हो जाते हैं। ऐसे मुद्दे राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं हैं। कोई भी राजनीतिक दल घोषणा करना तो दूर बल्कि यह दावा तक नहीं करता कि किसी भी व्यक्ति की मौत ऐसे प्राकृतिक कारणों से नहीं होगी। इससे साफ जाहिर है कि राजनीतिक दलों की प्राथमिकता में ऐसी मौतों की रोकथाम के गंभीर प्रयास करना या इसे चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करना नहीं है। कारण स्पष्ट है इससे दलों के वोट बैंक में इजाफा नहीं होता। ऐसे मुद्दों के लिए सत्तारुढ़ दलों के नेताओं से अधिक नौकरशाहों को जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। इनकी जवाबदेयी के लिए जब तक कानून के तहत दंड का प्रावधान नहीं होगा, तब हर साल प्राकृतिक आपदाओं लोगों की मौत होती रहेंगी।

रूस से आयात में भारी कटौती के लिए अमेरिका का भारत पर दबाव

विनिर्माण के उस विशिष्ट समूह के बाहर भारत के लिए विनिर्माण का एक बहुत बड़ा क्षेत्र खुला है, जिसका वह दोहन कर सकता है और देश इन उत्पादों के साथ अमेरिकी बाजार तक पहुंच सकता है। औद्योगिक सहयोग के इन क्षेत्रों में दोनों देशों के लिए लाभ ही लाभ संभव है। वाणिज्य सचिव लुटनिक जिस बात का जिक्र कर रहे थे, उसके पीछे कुछ तर्क और दृष्टिकोण है। भारत द्वारा रूसी हथियारों और शस्त्रों की खरीद 'अमेरिका को परेशान करती है'। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक के अनुसार, यह भारत-अमेरिका संबंधों में एक परेशानी है। इतना कहने के बाद, यह उल्लेख करना भी आवश्यक है कि भारत विविध संपत्तियों वाला एक बड़ा देश है, विशेष रूप से इसके प्रतिभाशाली लोग जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने में सक्षम हैं। वाशिंगटन, डीसी में भारतीय टीवी नेटवर्क, एएनआई के साथ बात करते हुए अमेरिकी वाणिज्य सचिव लुटनिक ने अमेरिकी विचारों को स्पष्ट किया। लुटनिक ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पहली प्राथमिकता उन्नत विनिर्माण में अमेरिका फर्स्ट है। हालांकि, इसके अलावा अमेरिका के पास मित्रों और सहयोगियों के साथ सहयोग के कई क्षेत्र खुले हैं, जिन्हें भारत द्वारा खोजा जा सकता है। लुटनिक ने बताया कि विनिर्माण के इन उच्चतम तकनीक और उन्नत क्षेत्रों में से कुछ को अमेरिका द्वारा एक सुविचारित नीति के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। विनिर्माण के उस विशिष्ट समूह के बाहर भारत के लिए विनिर्माण का एक बहुत बड़ा क्षेत्र खुला है, जिसका वह दोहन कर सकता है और देश इन उत्पादों के साथ अमेरिकी बाजार तक पहुंच सकता है। औद्योगिक सहयोग के इन क्षेत्रों में दोनों देशों के लिए लाभ ही लाभ संभव है। वाणिज्य सचिव लुटनिक जिस बात का जिक्र कर रहे थे, उसके पीछे कुछ तर्क और दृष्टिकोण है। आम अमेरिकियों की खपत की जरूरतों को पूरा करने वाले 90पतिशत से अधिक सामान्य माल की आपूर्ति वर्तमान में चीन द्वारा की जा रही थी। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका के मुकाबले चीन का व्यापार अधिशेष बहुत अधिक हो रहा था। डोनाल्ड ट्रंप की नीति के तहत, अमेरिका इस असंतुलन को ठीक करने और इन क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाओं को विकसित करने की कोशिश कर रहा है। यह अमेरिकी रणनीति का हिस्सा है और देश को भारत को एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में उभरते हुए देखकर खुशी होगी। दूसरी ओर, अमेरिकी वाणिज्य सचिव ने सहजता से कहा कि यूक्रे न पर मौजूदा शत्रुतापूर्ण स्थिति के संदर्भ में यदि भारत रूस से अपने सभी हथियारों की खरीद जारी रखता है तो इससे भारतीय वस्तुओं की खरीद नीति निर्माताओं के बीच भारत के प्रति प्रतिकूल भावनाएं पैदा करेगी। अमेरिका के लिए सबसे ज़्यादा परेशान करने वाली बात सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली - तथाकथित एसएएम-400 की खरीद थी, जो पहलगाम में आतंकवादी हमले की घटना को लेकर भारत-पाक टकराव में बेहद मूल्यवान साबित हुई थी। भारत देश में एसएएश-400 मिसाइल प्रणाली का एक और सेट तैनात करने की योजना बना रहा है। आतंकवादी हमले पर हालिया विवाद से ठीक पहले भारत ने धीरे-धीरे रक्षा उपकरणों और हथियार प्रणाली की खरीद में विविधता ला दी है, जिसमें अमेरिकी हार्डवेयर की खरीद भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में भारत ने अमेरिकी प्रणालियों और हथियारों की खरीद शुरू की है।

भारत और अमेरिका के बीच सहयोग का एक और क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हो सकता है। उन्नत एआई सिस्टम भारतीय और अमेरिकी विशेषज्ञों के बीच मिलकर बनाये जा सकते हैं और इससे बहुत फ़ायदा होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि इन क्षेत्रों में भारतीय दक्षता की आम तौर पर सराहना की जाती है और इनका उपयोग दोनों देशों के लाभ के लिए किया जा सकता है। वास्तव में, राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपने 'पारस्परिक टैरिफ की घोषणा के बाद, भारत और अमेरिका ने व्यापार वार्ता में भाग लिया है। वर्तमान में केवल कुछ ही देश गंभीर और बहुत आगे बढ़कर व्यापार वार्ता कर रहे हैं, और भारत उन चुनिंदा देशों में से एक है। अमेरिका जापान के साथ इसी तरह की व्यापार वार्ता कर रहा है और दक्षिण कोरिया भी इसी तरह की वार्ता कर रहा है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता कम समय में पूरी हो सकती है। आम तौर पर, एक व्यापार वार्ता कम से कम दो साल तक चलती है, क्योंकि कई नाजुक और जटिल मुद्दों को सुलझाना होता है। फिर भी, अफवाहों के अनुसार, इन्हें कुछ महीनों की अवधि में ही समेट दिया जा रहा है। अंदरूनी जानकारी से संकेत मिलता है कि अगर विनिर्माण गतिविधियों को इस तरह से व्यवस्थित किया जा सके तो भारत-अमेरिका व्यापार कारोबार कम समय में 500अरब डॉलर से अधिक हो सकता है।

अजब-गजब

शादी से पहले फिजिकल होने की सजा 100 कोड़े, इस मुस्लिम देश में कपल के साथ हैवानियत

दुनिया में इंडोनेशिया एक ऐसी जगह है, जहां युवाओं के लिए काफी सख्त नियम हैं। यहां बनाए नियम कानून इतने सख्त है कि दूसरे देश के लोग इसके बारे में जानकर हैरान रह जाते हैं। इसी देश से एक हैरान करने वाली कहानी लोगों के बीच सामने आई है। इंडोनेशिया में शादी से पहले संबंध करने के आरोप में एक जोड़े को सार्वजनिक रूप से 100 बार कोड़े मारे गए। इस खबर के बाहर आते ही एक बार फिर वहां के शरिया कानून की सख्ती और सार्वजनिक सजाओं को लेकर सारी दुनिया में बहस छिड़ गई है कि कोई कानून इस तरह की सजा आखिर कैसे दे सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये सजा बांदा आचेह शहर के एक पार्क में दर्जनों लोगों को खड़ा करके दी गई। आपको जानकर हैरानी होगी कि पुरुष और महिला को रतन की छड़ी से 10-10 के सेट 10 बार बारी-बारी से कोड़े मारे गए। जहां महिला को महिला द्वारा और पुरुष को पुरुष द्वारा कोड़े मारे गए। ऐसा इसलिए किया गया, जिससे शरिया प्रोटोकॉल का पालन किया जा सके और वहां के लोगों में एक खौफ पैदा हो सके। इस तरह की चीजें यहां करना कितना खतरनाक हो सकता है। इसको लेकर जब शहर की मेयर इलिजा सआदुद्दीन जमाल से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हम लोग व्यभिचार (Adultery), शराब पीने और ऑनलाइन जुआ खेलने वालों को ऐसे ही सजा देते हैं ताकि समाज के लिए एक नैतिक एक नैतिक सबक है। यही पश्चाताप की राह बनाता है और यही हमारे कानून द्वारा दी गई सजा है, जो हमारे सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा करता है। हैरानी की बात तो ये है कि इस सजा से पहले वहां मेडिकल टीमों को तैनात किया गया, ताकि सजा के दौरान किसी की तबीयत बिगड़े तो तुरंत इलाज मिल सके।

इस पूरे घटनाक्रम में सबसे चौंका देने वाली चीज ये है कि ये सारी पार्क में पब्लिक के सामने हुआ और किसी ने इसके खिलाफ आवाज तक नहीं उठाई। भीड़ तमाशा देख रही थी, कुछ इसे नैतिक सबक मान रहे थे, तो कुछ मोबाइल में रिकॉर्डिंग कर रहे थे। हालांकि इसको लेकर इससे पहले कई मानवाधिकार समूह ने इसकी आलोचना की है, लेकिन इसके बावजूद, जो इस प्रथा को अपमानजनक और अमानवीय बताते हैं, आचे में सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने का व्यापक समर्थन किया जाता है। इससे पहले भी इस तरह की कहानी सामने आ चुकी है।

ब्लॉग

दूरगामी सोच का परिणाम है वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जल है तो कल है कि चुनौती के बीच राजस्थान की भजन लाल सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में मानसून से पूर्व 5 जून से 20 जून तक वंदे गंगा जल संरक्षण- जन अभियान इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि राजस्थान सहित पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दादरा-नगर हवेली और दमन दीव देष के ऐसे राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश है जहां भूजल की निकासी भूजल के पुनर्भरण से कहीं अधिक हो रही है। अगर राजस्थान ही की बात करें और वह भी शुद्ध पेयजल की बात की जाए तो पीने योग्य पानी और उसकी उपलब्धता में 30 फीसदी का अंतर है। 30 प्रतिशत का अंतर कोई छोटा मोटा अंतर नहीं है ऐसे में इसे भलीभांति समझा जा सकता है कि राज्य सरकार को नागरिकों के लिए पीने के शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने की चुनौती से कैसे दो-चार होना पड़ता होगा। वास्तव में यह गंभीर समस्या है। समूचे विश्व में पानी की उपलब्धता का संकट है। यदि हम भारत की ही बात करें तो 1950 में जहां प्रतिव्यक्ति सालाना 5200 घनमीटर पानी की उपलब्धता थी वह 2024 आते आते 1401 घनमीटर रह गई है और यदि विशेषज्ञों की माने तो 2050 तक यह उपलब्धता 1191 घनमीटर ही रह जाने की संभावना हो गई है। यही कारण है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों कहा कि हमें पानी के उपयोग के संदर्भ में कम करें, पुनः उपयोग करें और पुनः चक्रित करने की नीति पर चलना होगा। देश में जल के पुनर्भरण में लगातार कमी आ रही है। प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में आज भारत 182 वें स्थान पर आ गया है। भूजल की उपलब्धता को देखा जाए तो 1950 से 2024 के दौरान 73 प्रतिशत की कमी आ गई है। दिल्ली, चैन्नई, पुणे, हैदराबाद, मुंबई सहित देश के अनेक छोटे बड़े शहर पेयजल की गंभीर समस्या से जुझ रहे हैं। विश्वव्यापी जल संकट को देखते हुए राजस्थान की भजन लाल सरकार की इस पहल को महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए। दरअसल देश में उपलब्ध भूजल का 87 प्रतिशत उपयोग खेती किसानी में होता है तो 11.7 प्रतिशत उपयोग घरेलू कार्यों और लगभग 2 प्रतिशत उपयोग ही औद्योगिक क्षेत्र में होता है। संकट का बड़ा कारण परंपरागत जल संग्रहण स्रोतों का नष्ट होना, उनमें अवरोध होना, बढ़ती आबादी और शहरी क्षेत्र में आबादी का घनत्व बढ़ने के साथ ही अत्यधिक पानी की आवश्यकता वाली उपज को बढ़ावा देने से जल दोहन अधिक होने लगा है। सीवेज के कारण पानी का अत्यधिक उपयोग, बरसाती जल का प्रोपर संग्रहण नहीं होना, जंगलों का कक्रिट के जंगलों में बदलना और पानी के अन्य कार्यों में भी अत्यधिक उपयोग से पानी का संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा

रहा है। अनियमित बरसात और बरसाती चक्र में बदलाव को भी एक कारण माना जा सकता है। आज जितने पानी के पीने के लिए आवश्यकता होती है उससे कई गुणा अधिक पानी फ्लस करने, वाहनों की धुलाई, पौधों के रखरखाव व अन्य कार्यों में होने लगा है। सीमेंट, लोहा, जस्ता और अब एमसेंड आदि उद्योगों के लिए भी अधिक पानी की आवश्यकता होने लगी है।

एक समय था जब सावन भादों में बरसात की झड़ी लगती थी और कई दिनों तक सूर्य देवता के दर्शन नहीं होते थे तो उस झड़ी का पानी सीधे जमीन में जाता था और वह प्राकृतिक वाटर हार्वेस्टिंग का सिस्टम होता था। सड़कों के साथ साथ ढ़लान क्षेत्र होता था और वहां एकत्रित पानी क्षेत्र में जल स्तर बढ़ाने के साथ ही पशुओं के पीने के काम भी आ जाता था। राजस्थान में रेगिस्तानी इलाकों में टांके आदि परंपरागत जल संग्रहण के साधन होते थे आज हम इन्हें भूलते जा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि गिरते भूजल स्तर और जल संग्रहण को लेकर सरकार गंभीर ना हो। बल्कि कहना तो यह होगा कि सरकार अत्यधिक गंभीर होने के बावजूद जो परिणाम आने चाहिए वह प्राप्त नहीं हो सके हैं। इसका एक प्रमुख कारण दूरगामी सोच के साथ नीति और क्रियान्वयन का ना होना भी है। सरकार द्वारा वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सरकार स्तर पर बड़े स्तर पर बनाने और निजी मल्टी स्टोरिज व सरकार गैरसरकारी संस्थानों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने पर जोर और बनाये जाने के बावजूद उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल इसलिए उठते रहते हैं कि ना तो रखरखाव पर ध्यान दिया जाता है और ना ही पानी के बहाव का पूरा ध्यान देने के कारण यह अपने उद्देश्यों पर खरे नहीं उतरे हैं।

ऐसा नहीं है कि इन हालातों से सरकार अनजान हो यहीं कारण है कि राजस्थान की भजन लाल सरकार ने मानसून के ठीक पहले पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून से 20 जून तक समूचे प्रदेश में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित कर रही है। सबसे अच्छी बात यह है कि इस अभियान में जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया है और स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक प्रमुख समाचार पत्र राजस्थान पत्रिका की मुहिम पर रामगढ़ में श्रमदान में हिस्सा लेकर आमजन को संदेश दिया है। राज्य सरकार द्वारा समूचे प्रदेश में इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के दौरान जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल प्रदूषण में कमी, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता, भूजल पुनर्भरण, व्यवहार परिवर्तन से बेहतर जल उपयोग और व्यापक स्तर पर पौधारोपण के हरियालो राजस्थान की तैयारी आरंभ की है। रामगढ़ राजस्थान की राजधानी जयपुर की किसी जमाने में पेयजल की उपलब्धता के लिए जीवन रेखा माना जाता था और 1982 के एशियाड़ की नौकायन प्रतियोगिता के बाद इसके बहाव क्षेत्र में अतिक्रमणों का जो ग्रहण लगा वह इसे सूखे मैदान में बदल कर रख दिया है। पिछले लंबे समय से रामगढ़ को पुनर्जीवित करने की मुहिम चल रही है लगता है सरकार ने यहां वैकल्पिक स्रोत से पानी लाने की जो योजना बनाई है और समग्र प्रयासों से परंपरागत पानी के अवरुद्ध रास्ते चलने लगते हैं तो रामगढ़ को नया जीवन मिल सकेगा। रामगढ़ तो एक उदाहरण मात्र है देश व प्रदेश में ऐसे हजारों की संख्या में जल संग्रहण स्रोत है जो अतिक्रमणों व शहरीकरण की भेंट चढ़ रहे हैं।

शहरीकरण के विस्तार के समय यदि परंपरागत जल बहाव क्षेत्रों से छेड़छाड़ नहीं की जाए तो हालात इतने अधिक नहीं बिगड़े पर पैसा कमाने का लालच हमारें आने वाली पीढ़ी के लिए संकट लाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने पाणी रो मान राखो-जीवण रो ध्यान राखो समयानुकूल संदेश दिया है। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि सभी मंत्रियों और प्रभारी सचिवों को इस कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। स्वयं मुख्यमंत्री श्रमदान कर रहे हैं। निश्चित रुप से इससे अवेयरनेस तो आयेगी ही जनभागीदारी भी बढेग़ी। देश के सभी राज्यों में इस तरह के अभियान चलाये जाने चाहिए। भले ही आज कुछ राज्यों में पानी का संकट दिखाई नहीं दे रहा हो पर पानी की बचत और भूजल के संग्रहण के प्रति हमें गंभीर होना ही होगा। पानी के पुनः उपयोग और पेयजल के अतिरिक्त अन्य कार्यों के लिए पुनःचक्रिकृत पानी के उपयोग को आदत बनाना होगा। हांलाकि पानी के पुनःचक्रिकरण के लिए अभी व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। सरकार को प्राथमिकता से एसटीपी बनाने होंगे और इस तरह के पानी का उपयोग बढ़ाना ही होगा। भूजल के संग्रहण और भूजल के दोहन के बीच समन्वय बनाना होगा नहीं तो आने वाला समय बहुत अधिक चिंतनीय और गंभीर होगा, इसमें किसी तरह का संदेह नहीं होना चाहिए। सही मायने में कहा जाए तो वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान सरकार की दूरगामी सोच का जनहितेषी कार्यक्रम माना जाना चाहिए क्योंकि सरकार की समझ और गंभीरता को इसीसे से समझा जा सकता है कि कार्यक्रम को आमजन से जोड़ने के लिए ही जनअभियान नाम दिया गया है।

जासूसी के लिए महिलाएं क्यों? पाकिस्तान की गोदी में बैठने वाले तुफैल-हारून ने खोले ये राज

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के वाराणसी से तुफैल और दिल्ली से गिरफ्तार हारून की रिमांड खत्म हो चुकी है। दोनों आरोपियों की रिमांड के दौरान यूपी एटीएस (ATS) को उनके काम करने के अंदाज को लेकर बेहद चौंकाने वाली जानकारी हासिल हुई है। साथ ही इस बात का भी खुलासा हुआ है कि जासूसी के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं की मांग क्यों की जा रही थी।

यूपी एटीएस के सूत्रों ने दावा किया है कि पुलिस की पूछताछ में तुफैल और हारून ने कई चौंकाने वाली जानकारियों को शेयर किया है। पाकिस्तान के हाई कमीशन में काम करने वालों के इशारों पर इन दोनों ने जासूसी करने की बात को कबूला है। साथ ही दोनों ने नए मॉड्यूल को कैसे जमीन पर उतारा जाए इसका पूरा खांका यूपी पुलिस की एटीएस विंग को बताया है।

पाक हाईकमीशन से संपर्क

दोनों से एटीएस की पूछताछ में ये बात सामने आई है कि पाकिस्तान हाईकमीशन में काम करने वाले मुज्जमिल से दोनों सीधे संपर्क में थे। मुज्जमिल ने इन दोनों को जासूसी के लिए अपने स्लीपर सेल में कुछ महिलाओं की भर्ती करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद इन लोगों ने कई महिलाओं और लड़कियों से संपर्क किया था।

वाराणसी से गिरफ्तार तुफैल ने दावा किया है कि महिलाओं को भर्ती तो करना था, लेकिन उन्हें ये बात नहीं बतानी थी की उनका इस्तेमाल जासूसी के लिए किया जा रहा है। उन्हें जानकारी देने, फोटो-वीडियो उपलब्ध कराने, किसी खास मकसद से विशेष व्यक्ति तक पहुंचाने की बात कही गई थी।

इस पर एटीएस ने जब तूफैल से काउंटर सवाल किया तो तूफैल ने बताया की शुरुआत में कुछ महिलाओं से जासूसी को लेकर बातचीत की गई थी, लेकिन इस शब्द के सामने आने के बाद महिलाएं पीछे हट गई , जिसके बाद इन्होंने उनकी भर्ती या उनका इस्तेमाल सिर्फ सूचना उपलब्ध कराने के लिए करने का फैसला किया था। यूपी पुलिस उनके बयानों की तस्दीक करने की कोशिश कर रही है और किन-किन जिलों की किन-किन महिलाओं से ये संपर्क में रहे हैं या अब तक इस्तेमाल हुआ है या नहीं इसको जानने की कोशिश कर रही है।

जासूसी के लिए महिलाओं की मांग क्यों?

तूफैल और हारून से रिमांड की पीरियड के दौरान ये भी जानने की कोशिश की गई है कि आखिरकार जासूसी के लिए महिलाओं को इस्तेमाल करने के पीछे मंशा क्या है? इस सवाल के जवाब पर दोनों ने बताया की महिलाओं पर सुरक्षा एजेंसियों को जल्दी शक नहीं होता या वो शक के दायरे में जल्द नहीं आती है, इसलिए इस बार इस काम के लिए इनकी भर्ती करने या इनकी मदद लेने का फैसला किया गया था।

पूछताछ में उन तीनों लोगों तक भी पहुंचने की कोशिश की जा रही है, जिनके बैंक खातों में हारून ने जासूसी में इस्तेमाल होने वाली रकम ट्रांसफर करवाई थी। फिलहाल, इन दोनों की रिमांड खत्म हो गई है और इन्हें जेल वापस भेज दिया गया है।

कोठी, दुकानें, रेस्टोरेंट और बार... बरेली की इंस्पेक्टर नरगिस के पास कहां से आई करोड़ों की संपत्ति?

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। बरेली में तैनात महिला इंस्पेक्टर नरगिस खान और उनके बिजनेसमैन पति सुरेश कुमार यादव उर्फ शेखर के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन, मेरठ में तैनात इंस्पेक्टर दुर्गेश कुमार की तहरीर पर मेरठ के मेडिकल थाने में 3 जून को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। दंपति के पास 80 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति होने का खुलासा हुआ है, जिसमें कई महंगी कोठियां, दुकानें, बार, पेट्रोल पंप और लग्जरी गाड़ियां शामिल हैं।

इंस्पेक्टर नरगिस खान वर्तमान में बरेली में विशेष अनुसंधान विभाग, सहकारिता प्रकोष्ठ में तैनात हैं। जांच में ऐसे कई लेनदेन और संपत्तियां सामने आई हैं, जो उनकी घोषित आय से मेल नहीं खाती। भ्रष्टाचार निवारण संगठन की टीम फिलहाल दस्तावेज़, बैंक खातों और चल-अचल संपत्तियों की गहन जांच में जुटी हुई है। संभावना जताई जा रही है कि मामले को एंटी करप्शन यूनिट या विजिलेंस डिपार्टमेंट को सौंपा जा सकता है।

साल 2021 में पति के साथ हुई थी गिरफ्तार

नरगिस खान की सपा सरकार में खासी पकड़ रही है। उनकी पोस्टिंग हमेशा प्रमुख थानों में होती रही है। साल 2021 में भी नरगिस और उनके पति सुरेश यादव को करोड़ों रुपये के गबन के आरोप में लखनऊ से गिरफ्तार किया गया था। उस समय डिप्टी लेबर कमिश्नर ने इनके खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसके अलावा, मेरठ रेलवे स्टेशन से बरामद बच्ची को कथित तौर पर भिखारी गैंग को सौंपने के मामले में भी नरगिस खान को सस्पेंड किया गया था।

जानें कहा है कितनी संपत्ति

संपत्तियों की बात करें तो मेरठ के शास्त्रीनगर में 640 गज की कोठी, लोहिया नगर में प्लॉट, रक्षापुरम में मकान, गढ़ रोड पर नंदनी बार और रेस्टोरेंट सहित कुल 8 दुकानें, लालकुर्ती और सूर्यनगर में भी कई दुकानें, लग्जरी गाड़ियां, टैंकर, नोएडा और गाजियाबाद में फ्लैट, नोएडा सेक्टर-18 में बार, बरेली और शाहजहांपुर में पेट्रोल पंप, और लखनऊ में दो फ्लैट तथा एक पूरा अपार्टमेंट शामिल हैं। इन सबकी कुल कीमत 80 करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है।

1999 में बनी थी मेरठ महिला थाने की प्रभारी

पुलिस अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहे हैं। हालांकि, यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो आरोपी दंपति के खिलाफ निलंबन, विभागीय जांच और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। 1999 में मेरठ महिला थाने की प्रभारी बनने के बाद से ही नरगिस खान विवादों में रही हैं। महंगी गाड़ी खरीदने पर जांच बैठी और उन्हें हटाया गया था, तभी से वह चर्चाओं में आ गई थीं।

पलट गई गैंगरेप की कहानी, लड़की खुद बॉयफ्रेंड के साथ गई थी होटल, मां ने 4 लड़कों को करवा दिया था अरेस्ट

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक गैंगरेप केस में पुलिस ने हैरान कर देने वाला खुलासा किया है। बीते 28 फरवरी को आरोप लगा कि एक लड़की के साथ सात लोगों ने गैंगरेप किया है। पुलिस ने शिकायत पर मुकदमा भी दर्ज किया था। लेकिन ये केस अब पूरी तरह से पलट गया है। दरअसल, जिन सात लोगों पर आरोप लगा था, उनमें से प्रेमी को छोड़कर बाकी निर्दोष थे। लड़की अपने प्रेमी के साथ गई थी। अब लड़की के बॉयफ्रेंड पर रेप का केस चलेगा।

लड़की की मां ने पुलिस में शिकायत की थी कि प्रेमी शिवम, तौहिद खान, रंजित, एक नाबालिग और 3 अन्य ने बेटी के साथ गैंगरेप किया था। इसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया।

पीड़िता की मां ने पुलिस में की थी शिकायत

पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया था कि बेटी मुझसे मिलने खेत पर आ रही थी। इसी बीच, रास्ते में उसका अपहरण हो गया। वारदात को सात लोगों ने अंजाम दिया था। बेटी को आरोपी राप्ती नदी के किनारे ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया। गैंगरेप के दौरान वह बेहोश हो गई थी। गांव के लोगों ने आरोपी शिवम और पंकज की पकड़कर पिटाई भी की थी।

पुलिस ने तीन लोगों का केस से नाम हटाया

इस मामले में स्थानीय पुलिस जांच कर रही थी। पुलिस ने कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को खंगाला तो लड़की आरोपी प्रेमी के साथ बाइक पर बैठकर जाते हुए दिखाई दी। वह शिवम के साथ एक होटल में रुकी थी। वहीं, पुलिस ने अन्य आरोपियों का लोकेशन खंगाला तो दूसरी जगह मिला। अब पुलिस ने इस मामले में गैंगरेप का केस हटाकर रेप के तहत मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही तीन आरोपियों को निर्दोष मानते हुए केस से उनका नाम भी हटा दिया है।

चैयरमैंन ईरा श्रीवास्तव ने फीता काटकर ब्यूटी पार्लर किया उद्घाटन

आर्यावर्त संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। शहर में सौंदर्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। शुक्रवार को लखीमपुर खीरी आवास विकास में स्थित वैष्णवी ब्यूटी सैलून का भव्य उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में नगरपालिका चेयरमैन डॉ. इरा श्रीवास्तव, कौन बनेगा करोड़पति विजेता शोभा पटवा, एवं वैष्णवी चेस एकेडमी की प्रबंध निदेशक कृतिका देवल बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं।दिल्ली से प्रशिक्षित मेकअप आर्टिस्ट एवं सैलून संचालिका सीमा देवल ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सैलून आधुनिकतम सुविधाओं से सुसज्जित है और इसमें शहरवासियों को उच्च स्तरीय सौंदर्य सेवाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि अब नागरिकों को मेकअप, हेयर स्टाइलिंग,स्किन केयर जैसी सेवाओं के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा।उद्घाटन कार्यक्रम में शहर की कई प्रमुख हस्तियों ने भी शिरकत की। इस अवसर पर माता प्रसाद देववंशी, गजराज पटवा, रमेश पटवा,राजेश देवल, राहुल देवल,शिवसागर गुप्ता, राकेश पटवा, एवं सुरेश देवल समेत अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

तेज हवा से घर में उड़कर आया कागज... घरवालों को लगा- टोटका कर फेंका, पीट-पीटकर ले ली पड़ोसी की जान

आर्यावर्त संवाददाता

गाज़ीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां तेज हवा चलने के कारण कागज का एक टुकड़ा एक शख्स के घर में पहुंच गया। इस पर पड़ोसी ने विवाद करना शुरू कर दिया। पड़ोसी उस कागज के टुकड़े को भूत प्रेत से जोड़ रहा था। विवाद इतना बढ़ा कि लाठी-डंडे चलने लगे, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

मामला दिलदारनगर थाना क्षेत्र के उसिया गांव का है। यहां के रहने वाले रामजी यादव के घर से 2 जून को करीब शाम 6:00 बजे कागज का एक टुकड़ा उड़कर पड़ोसी फेरू यादव की छत पर चला गया। इसके बाद फेरू यादव के परिवार को लगा कि रामजी यादव के परिवार के लोगों ने भूत प्रेत कर यह कागज उनके घर की तरफ फेंका है। इसके बाद गाली-गलौज और मारपीट होने लगी। इस दौरान महिलाएं भी आपस में भिड़ गईं। मारपीट में परिवार के कुछ लोगों को गंभीर चोटें आईं। मारपीट में जीतन यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। जीतन को दिलदारनगर के ही एक निजी चिकित्सालय में एडमिट कराया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे जिला चिकित्सालय गाजीपुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। यहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज करते हुए करते हुए उसे ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया।वहीं इलाज के दौरान जीतन की मौत हो गई।

पुलिस ने दर्ज किया केस

जीतन की मौत के बाद बीती रात उसका शव जब गांव लाया गया, तो काफी हंगामा मच गया। हर तरफ लोग रोते-बिलखते नजर आए। वही इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रामजी यादव की तहरीर पर चार लोगों को नामजद करते हुए उन लोगों के खिलाफ धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया था। वहीं अब जीतन यादव की मौत हो जाने के बाद अब धाराओं में मर्डर की धारा भी बढ़ जाएगी।

सीडीओ ने बैठक से अनुपस्थित आठ अधिकारियों का रोका वेतन

प्रयागराज। मुख्य विकास अधिकारी)श हर्षिता सिंह ने आज शुक्रवार को विकास भवन सभागार में ई-ऑफिस से संबंधित अधिकारियों की समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में 8 अधिकारी नहीं पहुंचे, उनकी अनुपस्थिति लगाते हुए इन सभी अधिकारियों के वेतन रोकने के निर्देश सीडीओ ने दिए। जिन अधिकारियों के वेतन रोके गए उसमें महाप्रबंधक जलकल सूचना अधिकारी, नेहरू युवा कल्याण अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, प्रभागीय वन अधिकारी, अधिशासी अभियंता जल निगम, अधिशाषी अभियंता टोंस नहर प्रखंड, अधिशासी अभियंता बाघला प्रखंड, परियोजना प्रबंधक गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी अनुपस्थित रहे, जिनके वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीडीओ ने ई आफिस के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने निर्देशित किया कि जिस विभाग के अधिकारी का विभागीय गवर्नमेंट ईमेल आईडी नहीं बना है।

प्रयाग में घर लेने का सपना होगा पूरा, आवासीय योजना शुरू करने की तैयारी में PDA

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज शहर में अपना अगर मकान बनाना चाहते हैं, लेकिन जमीन नहीं मिल रही है, तो आपके लिए एक नया विकल्प मिलने जा रहा है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) शहर में दो स्थानों पर आवासीय योजना शुरू करने जा रहा है। दरअसल, तीन तरफ से नदियों से घिरे प्रयागराज शहर में अब आशियाना बनाने के विकल्प खत्म हो चुके हैं। शहर के अंदर भी आवासीय योजनाओं के लिए पर्याप्त जमीन न होने के बाद अब पीडीए ने इसके विकल्प तैयार किए हैं।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण की तरफ से शहर के बाहर एयरपोर्ट रोड और गंगापार में हेतापट्टी क्षेत्र में दो हजार से लेकर पांच हजार बीघे में आवासीय योजना शुरू करने की तैयारी है। इन दोनों आवासीय योजनाओं में पर्याप्त मात्रा में प्लॉट्स की बिक्री की जाएगी। लॉटरी के माध्यम से प्लॉट्स को बेचा जाएगा। पीडीए दोनों आवासीय योजनाओं में तीन से पांच हजार प्लॉट्स की बिक्री करेगा। अवासीय योजनाओं में व्यावसायिक भूखंडों की भी बिक्री की जाएगी।

जमीन खरीद की वार्ता है चल रही

ग्रुप हाउसिंग के तहत दोनों स्थानों पर 250 से अधिक फ्लैट तैयार किए जाएंगे। प्राधिकरण के सचिव अजीत कुमार सिंह का कहना है कि इन प्रस्तावित आवासीय योजनाओं से बहुत सारे लोगों को उनके आशियाने मिल सकेंगे। आवासीय योजना शुरू करने के लिए काश्तकारों से जमीन खरीद की वार्ता चल रही है। एयरपोर्ट के पास एक हजार एकड जमीन की वार्ता अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। सब कुछ सही रहा तो चालू वित्तीय वर्ष में आवासीय योजनाओं में प्लॉट्स की बिक्री का विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा।

पीडीए के उपाध्यक्ष ने क्या कहा?

पीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि नई आवासीय योजना में 60 वर्ग मीटर से लेकर 300 वर्ग मीटर तक प्लॉट्स की बिक्री की जाएगी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डा। अमित पाल शर्मा का कहना है कि अलग-अलग दो स्थानों पर आवासीय योजना शुरू करने का विचार किया गया है। इस आवासीय योजना के शुरू होने से बड़ी संख्या में लोगों को आवास बनाने के लिए भूखंड उपलब्ध होंगे। आने वाले दिनों में पीडीए अलग-अलग स्थानों पर बड़े पैमाने पर लैंडबैंक तैयार करेगा।

राम मंदिर में अभी तक कितना लग चुका सोना? नृपेंद्र मिश्र ने दिया जवाब

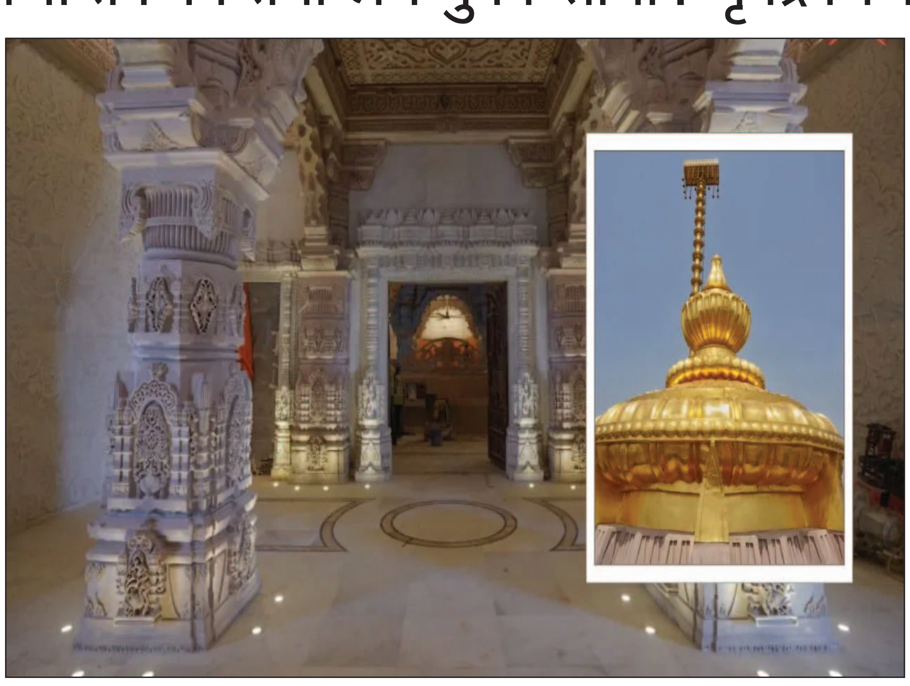

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या से बड़ी खबर सामने आई है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने राम मंदिर को लेकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की हैं। उन्होंने बताया कि रामलला के भव्य मंदिर में अब तक कुल 45 किलो सोना इस्तेमाल हो चुका है। इसकी शुद्धता शत-प्रतिशत है और टैक्स को छोड़कर इसका मूल्य लगभग 50 करोड़ रुपये आंका गया है। यह सोना मुख्य रूप से मंदिर के भूतल पर स्थित सभी दरवाजों में लगाया गया है।

इसके अतिरिक्त भगवान श्रीराम के सिंहासन में भी स्वर्ण का कार्य किया गया है। नृपेंद्र मिश्र ने यह भी बताया कि अभी भी शेषावतार मंदिर में सोने की कारीगरी का काम जारी है। इन कार्यों से यह स्पष्ट होता है कि मंदिर को सिर्फ भव्य ही नहीं, बल्कि अद्वितीय और दिव्य बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी गई है। राम मंदिर का मुख्य निर्माण कार्य अब पूरा हो चुका है, लेकिन परिसर में कुछ ऐसे निर्माण प्रोजेक्ट हैं, जो आगामी महीनों तक चलेंगे।

'अभी दर्शन की सीमित व्यवस्था'

इनमें प्रमुख रूप से संग्रहालय, सभागार और गेस्ट हाउस का काम शामिल हैं। इनका निर्माण कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा किए जाने की योजना है। इन सुविधाओं के पूरा हो जाने के बाद अयोध्या धाम आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर व्यवस्था और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होगा। नृपेंद्र मिश्र ने यह भी बताया कि राजा राम की प्राण प्रतिष्ठा के बाद दर्शन को लेकर फिलहाल सीमित व्यवस्था है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान में अधिक श्रद्धालुओं के एक साथ दर्शन की स्थिति नहीं है।

राम मंदिर में लागू होगी पास व्यसव्था

इसके लिए विस्तृत व्यवस्था बनाई जा रही है, जिसमें दर्शन के लिए पास की प्रणाली लागू की जाएगी। यह पास बिल्कुल निशुल्क होगा, लेकिन इसकी सहायता से श्रद्धालुओं को एक सुव्यवस्थित और सुरक्षित दर्शन का अनुभव मिलेगा। राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अस्मिता का प्रतीक बन चुका है। इस मंदिर को लेकर देशवासियों की आस्था, भावनाएं और गौरव गहराई से जुड़े हुए हैं।

16 साल पहले पान खाने को लेकर हुआ था 'संग्राम', अब 9 लोगों को मिली उम्र कैद की सजा

आर्यावर्त संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में आज से 16 साल पहले पान खाने को लेकर दो पक्ष भिड़ गए थे। मामला इतना बढ़ गया था कि गोलियां चल गईं थी। इसमें एक व्यक्ति को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। मामला फिरोजाबाद की कोर्ट में पहुंचा था। अब 16 साल के बाद कोर्ट ने इस मामले पर अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने इस मामले में नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दी है। ये फैसला फिरोजाबाद अपर जिला एवं सत्र जज फास्ट ट्रेक कोर्ट संख्या-2 विमल वर्मा ने सुनाया।

जज विमल वर्मा ने साल 2009 में हुई एक हत्या के मामले में नौ दोषियों को आजीवन कारावास दी है। साथ ही सभी दोषियों पर 24 हजार रुपयों का जुर्माना भी लगाया है। बताया जा रहा है कि आज से 16 साल पहले 14 जुलाई साल 2009 को फिरोजाबाद की मशहूर पान की दुकान पर दो पक्षों की आपस में भीड़ंत हो गई थी। पान की दुकान पर दोनों पक्षों में कहासुनी हुई। इसके बाद मारपीट हो गई थी। उस समय दोनों पक्षों के लोगों को समझा दिया गया था।

ये नौ लोग पाए गए हत्या के दोषी

दरअसल, 15 जुलाई सनी ने सागर सिंह के भाई रीतेश कुमार पर फायरिंग कर दी, जिसमें वो जख्मी हो गया। वहीं दूसरी ओर से मुकदमा वादी कम्बूहान के रहने वाले वृजकिशोर सिंह के बेटे चन्दर सिंह ने मौहल्ले के ही लोगों के खिलाफ विशाल सिंह की हत्या के केस में शिकायत दर्ज कराई थी। विशाल सिंह की हत्या के मामले में गिरीश, सागर, रीतेश, विमल कुमार, मौनू, विष्णुकान्त, सुनील, नितिन कुमार और राहुल समेत नौ लोग दोषी पाए गए। कोर्ट ने सभी सजा सुनाई। वहीं दूसरे पक्ष के सनी और विजय को दोषी पाया गया। दोनों सगे भाई हैं। दोनों को खुली कोर्ट में सजा सुनाई गई। इनको रीतेश कुमार पर पर हमला करने के मामले में सजा सुनाई गई। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि छोटी-छोटी बातों को अनदेखा करना सीखना चाहिए। यहां पर बड़े-बुजुर्गों की इसी सीख पर अमल नहीं किया गया, जिसका परिणाम ऐसा हुआ।

योग और पिलेट्स में क्या है अंतर? किससे मिलते हैं ज्यादा फायदे

योग से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद मिलती है। वेट लॉस, स्ट्रेस को कम करने और सेहत से संबंधित कई मेडिकल कंडीशन में योग करना फायदेमंद होता है। वहीं कई लोग जिम जाकर एक्सरसाइज करते हैं, इसमें कई तरह के इक्विपमेंट की जरूरत होती है। उसी में आजकल पिलेट्स का नाम काफी सुनने में आ रहा है।

पिलेट्स एक्सरसाइज की तस्वीरें देखें, तो यह देखने में योग की तरह ही लगता है। योग और पिलेट्स दोनों ही शरीर और मन दोनों को हेल्दी रखने में मदद करते हैं। साथ ही शरीर को फ्लेक्सिबल बनाने में मदद मिलती है। लेकिन इन दोनों में कुछ बातों ऐसी हैं जो इन दोनों को एक दूसरे से अलग बनाती हैं।

पिलेट्स

योग के अभ्यास के दौरान आमतौर पर एक ही पोजिशन अपनानी होती है और उसमें कुछ सेकेंड रखने के बाद अलग पोजीशन में जाते हैं। वहीं पिलेट्स में एक पोजिशन अपनाते हैं और फिर अपनी बाहों या पैरों को हिलाकर अपने कोर करते हैं। दोनों ही शरीर को एनर्जी और फ्लेक्सिबल बनाने में मदद करती है।

पिलेट्स के इतिहास की बात करें तो इसका शुरुआत जोसेफ पिलेट्स नाम के एक बीमार बच्चे से शुरू होती है, जिसका जन्म 1883 में जर्मनी में हुआ था। वह अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए मार्शल आर्ट, योग, मन और शरीर

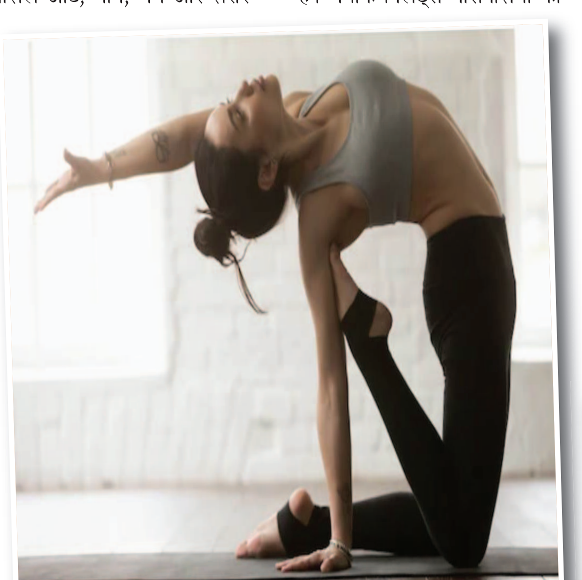

से जुड़े दूसरे विषयों पर रिसर्च कर रखा था। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान उन्होंने घायल सैनिकों के साथ काम किया, तो शरीर की गतिविधियों को लेकर उनकी रुचि बढ़ने लगी। युद्ध के बाद वह अपनी व्यायाम शैली को न्यूयॉर्क शहर में ले आए, जिसे अभिनेताओं और एथलीटों भी अपनाया। इसे विशेष रूप से पेट की मांसपेशियों, पीठ का निचला हिस्सा और कोर पर ध्यान केंद्रित करता है। पिलेट्स चटाई पर या विशेष इक्विपमेंट के द्वारा किया जा सकता है।

वेबएमडी के मुताबिक पिलेट्स कोर स्ट्रेंथ को बढ़ाने और स्टेबिलिटी बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही इसे करने से पोसचर में भी सुधार करने, फ्लेक्सिबिलिटी बनाने और लोअर बैक पेन को कम करने में मदद मिल सकती है। पिलेट्स कोई एरोबिक एक्सरसाइज नहीं है। लेकिन यह तनाव को कम कर सकता है, जिससे यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

योग

वहीं योग भारत में काफी सालों पहले से किया जाता है, हेल्थलाइन के मुताबिक इसका इतिहास पांच हजार साल पुराना है। इसके अलावा इसमेंमाइंडफुलनेसऔर सांसों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। योग कई अलग-अलग तरह के होते हैं। हर किसी की अपनी पहचान और मुवमेंट होती है। इससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलती है।

हेल्थलाइन के मुताबिक योग से स्ट्रेस, डिप्रेशन और एंग्जायटी को कम करने, रेस्पिरेटरी सिस्टम से जुड़ी समस्याएं, हाई ब्लड प्रेशर, शरीर में दर्द, टाइप 2 डायबिटीज और अर्थराइटिस जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

योग और पिलेट्स में क्या अंतर है?

अगर इनके बीच की अंतर ही बात करें तो योग लचीलापन और कुछ मसल्स ग्रुप को फोक्स करता है। जबकि पिलेट्स मांसपेशियों की टोनिंग, शरीर पर नियंत्रण और कोर स्ट्रेंथ को बेहतर बनाने में मदद करता है। योग बैलेंस बनाने और मन को शांत करने में मदद करता है। योग आमतौर पर पिलेट्स जितना तेज नहीं होता, बल्कि इसमें माइंडफुलनेस और गहरी सांस लेने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। इसके अलावा कुछ योगासन में पूरे शरीर को मूवमेंट होती है। पिलेट्स कोर की ताकत बढ़ाने और शरीर का बैलेंस बनाने में मदद करता है।

वेबएमडी के मुताबिक यदि आप अपनी स्ट्रेंथ और लचीलापन बढ़ाना चाहते हैं, तो पिलेट्स बेहतर विकल्प हो सकता है। यदि आप अपने ओवरऑल हेल्थ में सुधार करना चाहते हैं, तो आप योग आपके लिए बेहतर होगा। योग और पिलेट्स दोनों ही बेहतर वर्कआउट है, लेकिन अगर आपको सेहत से जुड़ी कोई समस्या यानी कि मेडिकल कंडीशन या शरीर में दर्द है तो इसे शुरू करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए।

भारत के 5 पॉपुलर डेस्टिनेशन जहां टूरिस्ट का लगा रहता है तांता, बजट में ऐसे करें ट्रिप

भारत की नेचुरल ब्यूटी को शब्दों में बांधना मुश्किल है। वहीं ऐतिहासिक जगहों की समृद्ध विरासत जानने के लिए भी हमारे यहां बहुत कुछ है और इसके लिए ट्रैवल से बेहतर कुछ नहीं। चलिए जान लेते हैं इस आर्टिकल में ऐसे पांच पॉपुलर टूरिस्ट प्लेस के बारे में जो प्राकृतिक खूबसूरती, कला और इतिहास से समृद्ध हैं। इन जगहों की ट्रिप भी बजट में प्लान की जा सकती है।

उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूर्व से लेकर पश्चिम तक भारत की नेचुरल ब्यूटी को शब्दों में बांधना मुश्किल है। हमारे यहां ऐसे खूबसूरत टूरिस्ट प्लेसेस है, जो घूमने वालों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। हालांकि कुछ ऐसी जगहें हैं जो देसी से लेकर विदेशी पर्यटकों के बीच काफी पॉपुलर हैं और यही वजह है कि इन जगहों पर हमेशा ही पर्यटक पहुंचते हैं। वहीं पीक सीजन में तो भीड़ हजारों में रहती है। कुछ जगहों पर लोग प्रकृति की खूबसूरती में वक्त गुजारने तो वहीं कुछ जगहों पर कला को करीब से जानने के लिए पहुंचते हैं। खास बात ये है कि इन जगहों की ट्रिप प्लान करने के लिए आपको बहुत ज्यादा खर्चा करने की जरूरत नहीं होती है। सही से प्लानिंग करके आप आप कम बजट में ही यादगार ट्रिप कर सकते हैं।

कला प्रेमी हैं...एडेवेंचर का शौक रखते हैं या फिर ऐतिहासिक जगहों को एक्सप्लोर करना हो और प्रकृति की गोद में सुकून भरा समय बिताना हो, भारत में वो हर जगह है जहां जाना आपके लिए बेहतरीन एक्सपीरियंस रहेगा। फिलहाल आपकी वेकेशन को मजेदार बनाने के लिए हम इस आर्टिकल में कुछ पॉपुलर टूरिस्ट प्लेस के बारे में बताएंगे जो बजट फ्रेंडली भी हैं।

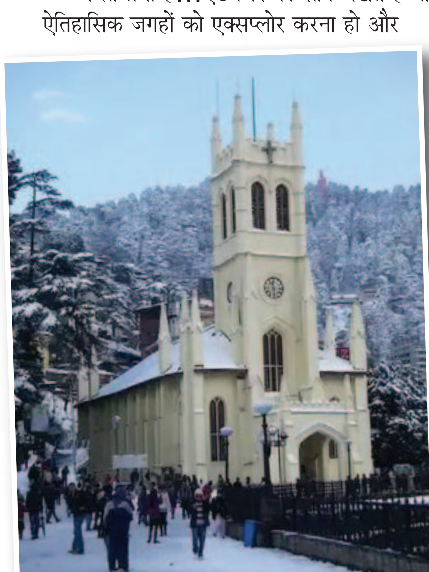

आगरा को करें एक्सप्लोर

दिल्ली के रहने वाले हैं और एक से दो दिन की बजट फ्रेंडली ट्रिप प्लान करनी है तो कुछ ही घंटों की दूरी पर स्थित आगरा एक्सप्लोर कर सकते हैं। यहां देश-विदेश से पर्यटक घूमने आते है। उत्तर प्रदेश में स्थित आगरा का ताजमहल कला और प्रेम का प्रतीक है जिसकी खूबसूरती हर किसी का दिल जीत लेती है। आप बस, ट्रेन या फ्लाइट से भी जा सकते है। अगर आप दिल्ली से आगरा जा रहे है तो बस बेस्ट है। उत्तर प्रदेश परिवहन की बस बुक करें जिसका किराया प्राइवेट बस से कम होता है। यहां पहुंच कर आप ताजमहल तक जाने के लिए वहां के लोकल वाहन का प्रयोग करें। वैसे तो आगरा में सिर्फ ताजमहल देखना हो तो शाम तक यह काम पूरा हो सकता है जिसमें आपके महज 2000 तक ही खर्च होंगे। लेकिन आगरा में अन्य जगहों को घूमना हो और एक रात रुकने का प्लान हो तो आप सिर्फ 8-10 हजार के बजट में यह ट्रिप आसानी से पूरी कर सकते हैं।

शिमला है सबका पसंदीदा प्लेस

हिमाचल प्रदेश के सबसे पॉपुलर प्लेस में शुमार शिमला घूमना ज्यादातर लोगों का सपना होता है। यहां की लोकल मार्केट और प्राकृतिक खूबसूरत नजारे आपका दिल जीत लेंगे। शिमला जाने के लिए आप हिमाचल परिवहन या प्राइवेट बस दिल्ली से बुक कर सकते हैं। पहाड़ों की गोद में स्थित ये जगह हर मौसम में खूबसूरत लगती है और बजट फ्रेंडली भी है। अगर आप शिमला जाने का प्लान कर रहे हैं तो आपकी जेब में 10-11 हजार होना काफी है। शिमला में 500 से 1000 के बीच आपको एक-दो रात रुकने के लिए होटल मिल जाएंगे। खाने के लिए आप वहां का लोकल फूड ट्राई करें जो बेस्ट होगा। शिमला में घूमने के लिए आप स्कूटी या कार रेंट पर ले सकते हैं। यह आपको 600-800 रुपये के चार्ज पर मिल जाएगी।

पिंक सिटी जयपुर

गुलाबी नगरी कहा जाने वाला जयपुर शहर भारतीयों से लेकर विदेशियों के लिए एक लोकप्रिय टूरिस्ट प्लेस है। जयपुर अपने आप में ऐतिहासिक इमारत भारत के इतिहास की झलक समेटे हुए है। गर्मियों का सीजन हो या सर्दियों का जयपुर में पर्यटकों की भारी भीड़ रहती है। आप जानकर हैरान हो जाएंगे कि दिल्ली से जयपुर का ट्रिप आप महज 5 से 6 हजार रुपये में ही पूरा हो सकता है। दिल्ली से आसानी से आपको बस मिल जाएगी जो जयपुर सिटी आपको छोड़ देगी। महज 5 से 6 घंटों का सफर तय करके आप जयपुर पहुंच जाएंगे। जयपुर में आप हवा महल और अन्य जगहों पर घूम सकते हैं। जयपुर की मार्केट बहुत फेमस है जहां आप खरीदारी कर सकते हैं। साथ ही खाने-पीने के लिए जयपुर में काफी ऑप्शन है, जैसे राजस्थान की फेसम दाल बाटी चूरमा, गट्टे की सब्जी आप खा सकते है। 100 से 200 के बीच आप भरपेट खाना खा सकते।

स्वर्ण मंदिर के लिए फेमस अमृतसर

पंजाब में स्थित अमृतसर काफी पॉपुलर है। स्वर्ण मंदिर अमृतसर में लोकप्रिय टूरिस्ट प्लेस है जहां आप सिख समुदाय की अनमोल धरोहर को आप देख सकते है। अमृतसर जाने के लिए आप ट्रेन या बस को चुन सकते हैं। पंजाब परिवहन की बस से अगर आप जाते है तो आप कम किराए में सफर तय कर लेंगे। अमृतसर में आपको रुकने के लिए 500 से 1000 रुपये के बीच कमरें मिल जाएंगे। साथ ही खाना खाने के लिए तो पंजाबी खाने से बेस्ट कुछ भी नहीं। आप वहां लोकल फूड्स ट्राई करें जो कब बजट में स्वाद से भरपूर होगा। वहीं लंगर छक सकते हैं। अमृतसर आप 5000 से 7000 हजार रुपये में घूम लेंगे।

झीलों की नगरी नैनीताल

अगर आप पहाडों, झीलों के शौकीन है तो नैनीताल आपके लिए सबसे बेस्ट है। परिवार से लेकर दोस्तों संग आप नैनीताल घूम सकते हैं। यहां जाने के लिए आप बस को चुनें आपके लिए सफर आसान होगा। नैनीताल के लिए 10,000 हजार तक का बजट काफी रहेगा। यहां नैना देवी मंदिर के दर्शन कर सकते हैं, साथ ही झीलों के नजारे आपका मन मोह लेंगे, नैनीताल के खाने से लेकर होटल तक का किराया बजट फ्रेंडली है।

सिर्फ अंडे ही नहीं, ये सब्जियां भी देती हैं भरपूर प्रोटीन, कमजोर हड्डियों में भर देंगी जान

शरीर के लिए प्रोटीन एक जरूरी पोषक तत्व है। ये हड्डियों को मजबूत बनाने के साथ ही मसल्स गेन में भी मदद करता है। सबसे ज्यादा प्रोटीन मांस-मछली, अंडा और डेयरी प्रोडक्ट्स में पाया जाता है। लेकिन अगर आप वेजिटेरिशन हैं तो हम आपको 5 ऐसी सब्जियां बता रहे हैं जो प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत है।

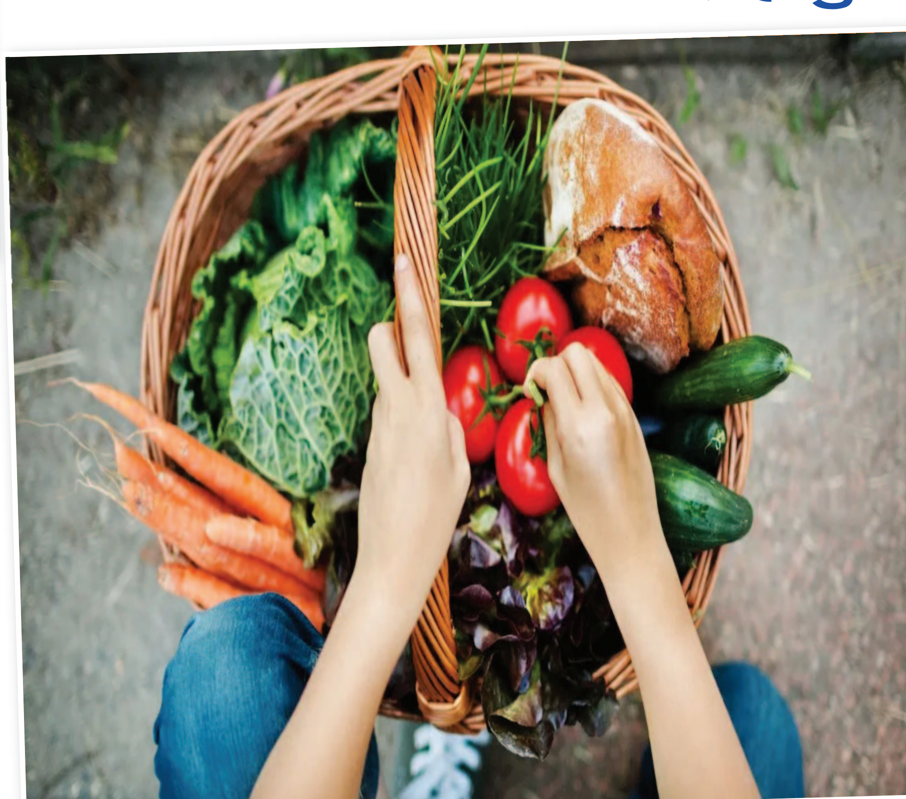

आजकल फिटनेस को लेकर लोग जागरुक हो रहे हैं। ऐसे में वो अपनी डाइट में कई तरह के पोषक तत्व शामिल कर रहे हैं, जिसमें से एक है प्रोटीन। लेकिन बहुत से लोग ये मानते हैं कि प्रोटीन केवल अंडे, मांस या दूध जैसे नॉनवेज और डेयरी प्रोडक्ट्स से ही मिलता है। खासकर शाकाहारी लोग अक्सर सोचते हैं कि उनके लिए प्रोटीन का कोई भरपूर ऑप्शन ही नहीं है। लेकिन ऐसा नहीं है कुछ सब्जियां ऐसी हैं जो प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत हैं।

प्रोटीन हमारे शरीर की मरम्मत और विकास के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। ये मसल्स बनाने, इम्यून सिस्टम मजबूत करने और हड्डियों को ताकत देने में अहम भूमिका निभाता है। अगर किसी को मांसपेशियों की कमजोरी, जोड़ों में दर्द या हड्डियों की कमजोरी की शिकायत है, तो प्रोटीन युक्त डाइट बेहद जरूरी हो जाती है। तो आइए जानते हैं उन पौष्टिक सब्जियों के बारे में जो ना सिर्फ अंडे से ज्यादा प्रोटीन देती हैं, बल्कि आपकी हड्डियों को भी मजबूत बनाती हैं।

ब्रोकली

ब्रोकली एक सुपरफूड मानी जाती है जो सिर्फ एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर में ही नहीं, बल्कि प्रोटीन में भी भरपूर होती है। 100 ग्राम ब्रोकली में लगभग 2।5 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए जरूरी विटामिन K और कैल्शियम से भी भरपूर होती है।

हरी मटर / ग्रीन पीस

एक कप उबली हुई हरी मटर में लगभग 8।58 ग्राम प्रोटीन होता है, जो कि अंडे से भी ज्यादा है। इसके साथ ही यह विटामिन C, आयरन और फाइबर का भी अच्छा स्रोत है। यह न सिर्फ इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है, बल्कि हड्डियों की मजबूती में भी सहायक होता है।

पालक

पालक को अक्सर आयरन का अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन इसमें प्रोटीन भी अच्छी मात्रा में मौजूद होता है। एक कप पकाई गई पालक में लगभग 6 ग्राम प्रोटीन होता है। इसमें मौजूद विटामिन A, C और K हड्डियों और स्किन दोनों के लिए फायदेमंद हैं।

ब्रसेल्स गोभी

ब्रसेल्स गोभी, दिखने में छोटी बंदगोभी जैसी होती है और पोषण से भरपूर होती है। इसमें प्रति 100 ग्राम में लगभग 3।4 ग्राम प्रोटीन पाया जाता है। यह हड्डियों की ताकत बढ़ाने, सूजन को कम करने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करती है।

ग्रीन बींस

हरी फलियां यानी ग्रीन बींस स्वादिष्ट होने के साथ-साथ पोषण से भरपूर होती हैं। एक कप ग्रीन बींस में लगभग 2 ग्राम प्रोटीन होता है। ये बीन्स कैल्शियम, पोटैशियम और फाइबर का अच्छा स्रोत भी हैं, जो हड्डियों और पाचन दोनों के लिए लाभकारी हैं।

ग्लोबल डे ऑफ पैरेंट्स: माता-पिता को दें हेल्थ बीमा का सुरक्षा कवच, इलाज के लिए नहीं खर्च करनी पड़ेगी बचत

ग्लोबल डे ऑफ पैरेंट्स के मौके पर अपने माता-पिता को जो सबसे अच्छा तोहफा दिया जा सकता है, वो है स्वास्थ्य बीमा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपके माता-पिता को सबसे अच्छी मेडिकल देखभाल मिले और आपको अपनी जेब से या उन्हें अपनी रिटायरमेंट बचत को खर्च न करना पड़े।

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ते मेडिकल खर्चों के बीच स्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बात जब माता-पिता की हो, तो उनके लिए सबसे अच्छी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होना कोई विकल्प नहीं, बल्कि एक जरूरत बन जाती है। आज के दौर में एक अच्छी और संपूर्ण स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होना बेहद जरूरी है। इसलिए, ग्लोबल डे ऑफ पैरेंट्स के मौके पर अपने माता-पिता को जो सबसे अच्छा तोहफा दिया जा सकता है, वो है स्वास्थ्य बीमा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि आपके माता-पिता को सबसे अच्छी मेडिकल देखभाल मिले और आपको अपनी जेब से या उन्हें अपनी रिटायरमेंट बचत को खर्च न करना पड़े।

इसलिए आवश्यक है संपूर्ण स्वास्थ्य बीमा

आप फैमिली फ्लोटर प्लान चुन सकते हैं, जिसमें माता-पिता को आपकी मौजूदा पॉलिसी में शामिल किया जा सकता है या फिर आप उनके लिए अलग से संपूर्ण स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी भी ले सकते हैं। बुजुर्ग माता-पिता को आमतौर पर उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण ज्यादा कवर की जरूरत होती है, इसलिए उनके लिए अलग पॉलिसी लेना बेहतर होता है। एक स्टैंडर्ड पॉलिसी में अस्पताल में भर्ती होने के साथ भर्ती से पहले और बाद के खर्च के साथ डायलिसिस, एंबुलेंस व डोमिसिलिअरी हॉस्पिटलाइजेशन कवर शामिल होता है।

बड़े काम की चीज है ऐड-ऑन कवर

ऐड-ऑन कवर में सबसे जरूरी है क्रिटिकल इलनेस कवर। यह स्ट्रोक, कैंसर, डायबिटीज, ह्रदय रोग, न्यूरोलॉजिकल बीमारियां, किडनी फेलियर, ऑर्गन ट्रांसप्लांट जैसी कई गंभीर बीमारियों से सुरक्षा देता है। इसके अलावा, आप कंज्यूमेबल कवर और ओपीडी कवर जैसे ऐड-ऑन भी ले सकते हैं। लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की स्थिति में ग्लव्स, सीरिंज, पट्टी, कॉटन, मास्क जैसी चीजों पर होने वाला खर्च भी बढ़ सकता है। कंज्यूमेबल कवर होने पर इन खर्चों को जेब से नहीं देना पड़ेगा। ओपीडी कवर से आपके माता-पिता नियमित रूप से डॉक्टर से चेकअप करवा सकते हैं।

खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

कवरेज और पॉलिसी शर्तें: पॉलिसी में क्या-क्या शामिल है और क्या नहीं, यह जानना जरूरी है। इससे क्लेम करते वक्त आप मानसिक रूप से तैयार रहेंगे। को-पेमेंट से लेकर सब-लिमिट तक, पॉलिसी के शब्दों को ध्यान से पढ़ना चाहिए।

नेटवर्क हॉस्पिटल्स: इमरजेंसी कभी भी आ सकती है, इसलिए पॉलिसी में शामिल नेटवर्क हॉस्पिटल्स की सूची जरूर रखें। नेटवर्क हॉस्पिटल में इलाज कराने पर कैशलेस ट्रीटमेंट की सुविधा मिलती है।

को-पेमेंट और वेटिंग अवधि: स्वास्थ्य बीमा में को-पेमेंट का मतलब है कि इलाज का कुछ खर्च बीमाधारक को खुद उठाना होता है, जो 10 से 40 फीसदी तक हो सकता है। कोशिश करें कि ऐसी पॉलिसी चुनें, जिसमें को-पेमेंट शून्य हो, ताकि इलाज के वक्त जेब से ज्यादा खर्च न करना पड़े। इसके अलावा, ऐसी पॉलिसी लें, जिसमें वेटिंग अवधि कम हो।

बड़ी कारगर है फॉल डिटेक्शन तकनीक

बीमा कंपनियां अब फॉल डिटेक्शन तकनीक के साथ भी आ रही हैं। इसमें माता-पिता को एक स्मार्ट वॉच पहननी होती है, जो गिरने की स्थिति में उसे पहचान लेती है और तुरंत इमरजेंसी कॉन्टैक्ट, सेवाओं व मेडिकल प्रोवाइडर्स को अलर्ट भेज देती है। यह डिवाइस जरूरी संकेतों की निगरानी करती है। इनमें गड़बड़ी पाई जाती है तो तुरंत मेडिकल मदद मिलती है।

-भास्कर नेरुरकर, प्रमुख, हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन टीम, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस

जीओ का धांसू ऑफर, 51 रुपए में पूरे महीने पाएं अनलिमिटेड 5जी डेटा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो अपने 47 करोड़ से अधिक मोबाइल यूजर्स के लिए एक शानदार ऑफर लेकर आई है। अब जियो यूजर्स महज 51 रुपये खर्च करके पूरे एक महीने तक अनलिमिटेड 5त्र डेटा का लाभ उठा सकते हैं। जियो का यह आकर्षक ऑफर खासकर उन 5त्र स्मार्टफोन यूजर्स के लिए है जो जियो के 5जी नेटवर्क वाले क्षेत्रों में रहते हैं। जियो की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यह एक डेटा-ओनली प्लान है, जिसमें ग्राहकों को अनलिमिटेड 5त्र डेटा के साथ-साथ 3त्रक्च हाई-स्पीड 4त्र डेटा भी मिलेगा। इस डेटा पैक की वैधता आपके मौजूदा रिचार्ज प्लान तक रहेगी। इसका मतलब है कि किसी भी पहले से सक्रिय प्लान के साथ इस डेटा पैक को जोड़कर आप पूरे महीने अनलिमिटेड 5त्र डेटा का आनंद ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, जियो के 101 रुपये और 151 रुपये वाले प्लान में भी यूजर्स को अनलिमिटेड 5त्र डेटा का लाभ मिलता है। यह ऑफर उन यूजर्स के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जो भारी मात्रा में डेटा का इस्तेमाल करते हैं और बिना किसी डेटा लिमिट की चिंता किए इंटरनेट का उपयोग करना चाहते हैं। गौरतलब है कि जियो ने इस साल की शुरुआत में बिना डेटा वाले दो प्रीपेड प्लान भी लॉन्च किए थे। टेलीकॉम कंपनी ने यह कदम भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के आदेश पर उठाया था। ये दोनों प्लान उन फीचर फोन यूजर्स के लिए पेश किए गए थे जिन्हें डेटा की आवश्यकता नहीं होती है।

आम आदमी की थाली 6 फीसदी सस्ती, सब्जियों और चिकन की कीमतें घटने से मिली राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सब्जियों और चिकन की कीमतें घटने से घर में पकाई जाने वाली आम आदमी की थाली 6 फीसदी तक सस्ती हो गई है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, शाकाहारी थाली की कीमत मई, 2024 के 27.80 रुपये से कम होकर इस साल मई में 26.20 रुपये रह गई। चिकन के भाव घटने से मांसाहारी थाली भी 55.19 रुपये से घटकर 52.16 रुपये रह गई।

क्या कहता है रिपोर्ट में?

रिपोर्ट के अनुसार, मासिक आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत करीब स्थिर रही है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत दो फीसदी घटी है। दरअसल, सब्जियों की हालिया घटी कीमत ने शाकाहारी थाली के दाम घटाने में मदद की। टमाटर की कीमतें 33 रुपये प्रति किलोग्राम से 29 फीसदी गिरकर 23 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गईं। बता दें कि पिछले साल पश्चिम बंगाल में फसल को हुए नुकसान और बेमौसम बारिश के कारण प्याज और आलू की कीमतों में क्रमशः 15 फीसदी और 16 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। आयात शुल्क में बढ़ोतरी के कारण वनस्पति तेल की कीमतों में 19 फीसदी की वार्षिक वृद्धि और गैस सिलेंडर की कीमत में 6 फीसदी की सालाना वृद्धि ने थाली की लागत में और गिरावट को रोक दिया। मांसाहारी थाली के दाम तय करने में चिकन की कीमतों का 50 फीसदी योगदान होता है।

क्या बंद होने वाला है 500 रुपए का नोट? अब आ गया सरकार का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते एक हफ्ते से सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में 500 रुपए के नोट को बंद किए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं। इन खबरों में कहा जा रहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को एटीएम में 100 रुपए और 200 रुपए के नोटों की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया है और इसके लिए डेडलाइन भी तय कर दी है, जिससे 500 रुपए के नोट के बंद होने की संभावना जताई जा रही थी।

अब सरकार की आधिकारिक फैक्ट चेक यूनिट, प्रेस सूचना ब्यूरो ने इन खबरों का खंडन किया है। क्कढ्ढक्च ने एक ट्वीट जारी कर स्पष्ट किया है कि 500 रुपए के नोट को बंद करने की कोई योजना नहीं है। क्कढ्ढक्च ने कैपिटल टीवी नामक एक यूट्यूब चैनल द्वारा प्रसारित इस खबर को फर्जी बताया है। क्कढ्ढक्च के अनुसार, क्रक्चढ्ढ की ओर से ऐसा कोई भी आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है और 500 रुपए का नोट चलन में बना रहेगा।

इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को एटीएम में 100 रुपए और 200 रुपए के नोटों का सर्कुलेशन बढ़ाने का निर्देश जारी किया था। इसके बाद विभिन्न विशेषज्ञों ने इस निर्देश की अपने-अपने तरीके से व्याख्या करना शुरू कर दिया। कुछ विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया कि यह ?500 के नोट को धीरे-धीरे बाजार से वापस लेने की प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है।

इस अफवाह को और हवा तब मिली जब आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्र सरकार से 500 रुपए और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने की अपील की। उन्होंने बड़े नोटों को भ्रष्टाचार की जड़ बताते हुए इन्हें चलन से बाहर करने की वकालत की थी। हालांकि, क्कढ्ढक्च के स्पष्टीकरण के बाद अब यह साफ हो गया है कि 500 रुपए के नोट को बंद करने की खबरें निराधार हैं और आम जनता को इस पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

ईरान-सीरिया के बाद अब 82 प्रतिशत हिंदू वाले इस देश पर अमेरिका का एक्शन, निकाले जाएंगे 7500 नागरिक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अफगानिस्तान, ईरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, सूडान, सीरिया और यमन जैसे मुस्लिम देशों के नागरिकों पर प्रतिबंध लगाने के बाद अमेरिका ने नेपाल को लेकर भी बड़ा फैसला किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेपाल को मिले निर्वासन सुरक्षा को रद्द कर दिया है। इस फैसले के बाद अब 7500 नेपाली को अमेरिका तुरंत छोड़ना होगा।

न्यूजवीक की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी सरकार का कहना है कि नेपाल में अब 2015 जैसे हालात नहीं है, इसलिए उसके निर्वासन सुरक्षा को रद्द किया जा रहा है। नेपाल में भूकंप की वजह से तत्कालीन अमेरिकी सरकार ने नेपाल के नागरिकों को यह सुरक्षा प्रदान की थी।

निर्वासन सुरक्षा का मामला क्या है?

अमेरिका में इसे अस्थायी संरक्षित स्थिति यानी टीपीएस कहा जाता है। इसमें अमेरिका की सरकार उन लोगों को सुरक्षा की गारंटी देता है, जो अपने देश के खराब हालातों को देखते हुए अमेरिका में जाकर रहना चाहते हैं।

निर्वासन सुरक्षा के तहत दूसरे देश के लोगों को सिर्फ नौकरी करने का अधिकार है। यानी उन्हें नागरिकता नहीं मिलती है। हालांकि, ट्रंप के सत्ता में आते ही उन्होंने यह संकेत दे दिया था कि अब किसी भी देश को इस तरह की सुरक्षा नहीं दी जाएगी।

नेपाल के 7500 नागरिक टीपीएस के तहत अमेरिका में रहते हैं। इसके रद्द होने के बाद उन्हें तुरंत अपना मुल्क लौटना होगा। नहीं तो फिर जबरन उन्हें अमेरिका की सरकार वापस नेपाल भेज सकती है।

पिछले कार्यकाल में असफल रहे थे

डोनाल्ड ट्रंप 2017 में राष्ट्रपति बनने के बाद ही इसे खत्म करना चाहते थे, लेकिन आव्रजन विभाग ने इसका विरोध किया। ट्रंप आखिर तक इसके विरोध में लड़ते रहे, लेकिन सफल नहीं हो पाए। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि नेपाल में अब स्थिति पहले जैसी नहीं है, इसलिए निर्वासन सुरक्षा का कोई अर्थ नहीं है।

12 देशों के लोगों पर बैन लगाया

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो दिन पहले ही 12 देशों के लोगों पर बैन लगाने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि इन देशों में आतंकवाद पनप रहा है। वहीं ट्रंप के फैसले पर अफगानिस्तान और म्यांमार जैसे देशों ने तो कोई रिएक्शन नहीं दिया है, लेकिन चाड ने जरूर इसके खिलाफ बड़ा फैसला किया है।

चाड ने अपने देश में अमेरिकी नागरिकों की एंट्री पर बैन लगाने का फैसला किया है। चाड के मुखिया का कहना है कि हम आत्मस्वाभिमान बेचकर अमेरिका से बात नहीं कर सकते हैं। चाड के राष्ट्रपति ने कतर से मिले गिफ्ट का भी जिक्र किया है।

गाजा हो या लेबनान सबका बदला ले रहे हूती, इजराइल हावाई अड्डे को फिर बनाया निशाना

गाजा, एजेंसी। इजराइल के गाजा पर हमले लगातार जारी हैं। इसके अलावा इजराइली सेना समय-समय पर लेबनान में भी हमले कर रही है। गुरुवार रात इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत को निशाना बनाया और 8 इमारतों पर स्ट्राइक की। जिसके बाद यमन हूती ने तेल अवीव के पूर्व में बेन गुरियन हवाई अड्डे को निशाना बनाकर मिसाइल हमला, जिससे हवाई अड्डे का यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित रहा।

इस हमले की जानकारी देते हुए हूती प्रवक्ता ने कहा, "उन्होंने तेल अवीव के पूर्व में बेन गुरियन हवाई अड्डे को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया, जो गाजा पर लगाए गए भुखमरी और प्यास के अपराध और लेबनान के दक्षिणी उपनगर बेरूत पर हाल ही में इजराइल के हमलों के जवाब में किया गया है।

फिलिस्तीन-2 मिसाइल से किया गया हमला

हूती समूह के प्रवक्ता जनरल याह्या सारी ने कहा कि ऑपरेशन में इस्तेमाल की गई मिसाइल फिलिस्तीन-2 थी, जो एक हाइपरसोनिक बैलिस्टिक मिसाइल है, जो गाजा पर इजराइली आक्रमण के दागी गई 46वीं यमनी मिसाइल है। सारी ने पुष्टि की कि हमले ने हवाई अड्डे पर हवाई यातायात को बंद करने और लाखों बसने वालों को बम आश्रयों में भागने के लिए मजबूर करने के अपने पूर्व-निर्धारित उद्देश्य को हासिल किया है।

गाजा के लिए संदेश

सारी का संबोधन गाजा के साथ एकजुटता की अभिव्यक्ति से भरा था, क्योंकि इजराइली सेना के हमले और सहायता नाकाबंदी नीति अभी भी जारी है। जिसकी वजह से लाखों फिलिस्तीन भुखमरी की चपेट में हैं।

सारी ने एक टेलीविजन बयान में कहा, "यह ऑपरेशन उत्पीड़ित फिलिस्तीनी लोगों और उनके प्रतिरोधी सेनानियों की जीत है, और गाजा में यहूदी दुश्मन के अपराधों और बेरूत के दक्षिणी उपनगर के खिलाफ उसके आक्रमण के जवाब में है।" सारी ने कहा, "यमनी लोग, उनका वफादार नेतृत्व और उनकी लड़ाकू सेना आपके साथ खड़ी है... जब तक आक्रमण बंद नहीं हो जाता और घेराबंदी नहीं हट जाती।"

खटारा बस से भी ज्यादा असंतुलित है पाकिस्तान की सरकार, शिमला समझौते पर मंत्रियों में ही तालमेल नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की सरकार और विपक्ष में तो तनातनी चल ही रही है, लेकिन उसकी सरकार के भीतर भी तालमेल नहीं है। भारत के सिंधु समझौतें को निलंबित करने के बाद पाक सरकार ने 1972 का शिमला समझौता करने की बात कही थी। अब खबर है कि भारत के साथ द्विपक्षीय समझौतों को रद्द करने पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है और ये जानकारी भी पाक विदेश मंत्रालय की ओर से दी गई है।

इससे पहले रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया था कि 1972 का शिमला समझौता अपनी पवित्रता खो चुका है। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने सिर्फ शिमला समझौते को खत्म करने की धमकी दी थी। लेकिन ऐतिहासिक समझौते को रद्द करने के लिए बाद में कोई कदम नहीं उठाया गया।

पाक विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार को बताया कि भारत की हालिया कार्रवाइयों और बयानों ने आंतरिक चर्चाओं को बढ़ावा दिया है, लेकिन पाकिस्तान ने नई दिल्ली के साथ अपने किसी भी द्विपक्षीय समझौते को रद्द करने के लिए कोई औपचारिक या निर्णायक कदम नहीं उठाया है। अधिकारी के मुताबिक किसी भी द्विपक्षीय समझौते को खत्म करने का फैसला नहीं किया गया है। उन्होंने संकेत दिया कि शिमला समझौते सहित मौजूदा द्विपक्षीय समझौते प्रभावी बने हुए हैं।

विदेश मंत्रालय की ओर से ये सफाई रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की ओर से एक निजी टेलीविजन चैनल को दिए गए इंटरव्यू के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की हालिया 'एकतरफा कार्रवाइयों' के कारण शिमला समझौते ने अपनी प्रासंगिकता और वैधता खो दी है।

उन्होंने दूसरे खास समझौतों की हालिया स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए कहा, "सिंधु जल संधि निलंबित हो या न हो, शिमला पहले ही खत्म हो चुका है।" रक्षा मंत्री ने व्यापक सुरक्षा स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत के साथ संघर्ष का खतरा अभी भी बना हुआ है। उन्होंने कहा, "पाकिस्तान युद्ध नहीं चाहता है, लेकिन अगर यह हम पर थोपा जाता है, तो हमारी प्रतिक्रिया पहले से भी अधिक मजबूत होगी।"

भारत पाक तनाव

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया, जिसमें भारत ने 7 मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे पर हमले किए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 8, 9 और 10 मई को भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने का प्रयास किया। फिर भारत ने भी इन हमलों का जवाब दिया।

दोनों पक्षों के सैन्य अभियानों के महानिदेशकों के बीच 10 मई को हुई बातचीत के बाद सैन्य कार्रवाइयों को रोकने की सहमति बनी। सीजफायर का ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया था।

मस्क का बम Jeffrey Epstein! कौन था ये शख्स जिसके नाम से US की सियासत में आया भूचाल

वॉशिंगटन, एजेंसी। टेस्ला और एक्स के मालिक एलन मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच विवाद बढ़ता ही जा रहा है। मस्क ने ट्रंप पर वार करते हुए जेफरी एपस्टीन फाइल्स नाम का बम फोड़ दिया है। जिसके बाद पूरे अमेरिका समेत दुनिया जेफरी एपस्टीन की चर्चा होने लगी है। मस्क के हालिया बयानों ने एपस्टीन के साथ ट्रंप के पिछले संबंधों पर सार्वजनिक बहस को फिर से छेड़ दिया है और एपस्टीन के नेटवर्क और संभावित रूप से शामिल हाई-प्रोफाइल हस्तियों के बारे में पूरी पारदर्शिता की लंबे समय से चली आ रही मांग फिर से उठने लगी है।

मस्क ने एक्स की एक पोस्ट में लिखा था कि अब समय असली बम गिराने का आ गया है। डोनाल्ड ट्रंप का नाम एपस्टीन फाइलों में दर्ज है। इसीलिए ये फाइलें कभी सार्वजनिक नहीं की गईं। इसके बाद उन्होंने तंज करते हुए लिखा कि आपका दिन अच्छा हो, डोनाल्ड ट्रंप। एपस्टीन के नाम के बाद से ये चर्चा बढ़ गई है कि आखिर ये जेफरी एपस्टीन कौन है और ट्रंप के साथ इसका क्या संबंध है।

कौन था जेफरी एपस्टीन?

डोनाल्ड ट्रंप और जेफरी एपस्टीन का रिश्ता 1980 और 1990 के दशक से है, जब दोनों को पाम बीच, फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क शहर में एलीट सर्कल के बीच सामाजिक रूप से जाना जाता था। वे एक साथ सोशल प्रोग्रामों में शामिल होते थे। जेफ्री एपस्टीन एक अरबपति और कुख्यात फाइनेंसर था, उस पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और मानव तस्करी जैसे गंभीर आरोप लगे थे। वहीं साल 2019 में एपस्टीन की गिरफ्तारी के बाद जेल में उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। जेफ्री की कॉन्टैक्ट लिस्ट को एपस्टीन फाइल्स कहा जाता है, जिसको लंबे समय से कोर्ट ने सीलबंद कर रखा है। मस्क ने इसी फाइल को सार्वजनिक करने की मांग की है। अमेरिका में एपस्टीन क्लाइंट्स लिस्ट यानी उसके हाई-प्रोफाइल कस्टमर्स की लिस्ट को लेकर लगातार बहस चल रही है। इन फाइल्स में दर्जनों प्रभावशाली हस्तियों के नाम होने की बात कही जाती है, जिनमें राजनेता, कारोबारी और हॉलीवुड सितारे शामिल हो सकते हैं।

ट्रंप ने स्वीकार की थी दोस्ती

2002 में न्यूयॉर्क मैगजीन को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा था, "मैं जेफ को पंद्रह सालों से जानता हूं। बहुत बढ़िया आदमी है, उसके साथ रहना बहुत मजेदार है। यहां तक कहा जाता है कि उसे भी उतनी ही सुंदर महिलाएं पसंद हैं जितनी मुझे, और उनमें से कई युवा महिलाएं हैं।"

वक्फ संपत्तियों के लिए उम्मीद पोर्टल लॉन्च, 6 महीने के अंदर कराना होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजीजू ने शुक्रवार को UMEED पोर्टल लॉन्च किया। यह एक सेंट्रल पोर्टल है, जिस पर देशभर में मौजूद वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन किया जाएगा। इसके तहत अब सभी वक्फ प्रॉपर्टीज को 6 महीने के अंदर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। ये पोर्टल उम्मीद' का पूरा नाम है- यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट, एम्पावरमेंट, एफिशिएंसी और डेवलपमेंट (UNIFIED WAQF MANAG-MENT,EMPOWERMENT, EFFICIANCY AND DEVELOPMENT ACT 1995) के तहत बनाया गया है। मोबाइल और ईमेल ID के जरिए इसका वर्फिकेशन होगा।

रजिस्ट्रेशन के लिए तीन लेयर मेकर – चेकर – अप्रूवर होंगे। मेकर वक्फ प्रॉपर्टी का मुतावल्ली होगा जिसे राज्यों या UT के वक्फ बोर्ड तय करेगा। चेकर जिला स्तर के अधिकारी होंगे जिसे वक्फ बोर्ड अधिकृत करेगा। प्रॉपर्टी का वेरिफिकेशन CEO या बोर्ड की ओर

से अधिकृत अधिकारी अप्रूव करेंगे।

रिजीजू ने मुसलमानों को दी बधाई

पोर्टल लॉन्च किए जाने के मौके पर किरण रिजीजू ने कहा, उम्मीद पोर्टल लॉन्च करने पर देशभर में वक्फ प्रॉपर्टीज से जुड़े और आम मुसलमानों को बधाई देना चाहता हूं। आज का ये उम्मीद पोर्टल का लॉन्च बहुत बड़ा कदम है। पीएम ने पहले भी कहा है कि आजादी के बाद देश में रिफॉर्म का काम वक्फ में हुआ है। ये करोड़ों लोगों की जिंदगी को फायदा पहुंचाने के लिए बड़ा कदम है। उन्होंने आगे कहा, संसद से पास करने से पहले स्टेकहोल्डर्स से चर्चा हुई, जेपीसी में भेजा और सदन में रिकॉर्ड चर्चा हुई। बिल पारित करके एक्ट बना। हमने पहले भी कहा था कि इसे लेट नहीं करेंगे और इसे जल्द लागू करेंगे। पहला इंप्लीमेंट का प्रोसेस आज शुरू हो गया है। वक्फ प्रॉपर्टीज पर कोई कब्जा ना हो और पारदर्शी तरीके से काम हो सके।

रिजिजू ने कहा, मुस्लिमों में गरीब, यतीम और विधवाओं को ये बहुत काम आएगा। वक्फ प्रॉपर्टी का मैनेजमेंट काम आने वाला है। 9 लाख प्रॉपर्टी देशभर में है। एक्ट में बहुत सारी चीज है जैसे 6 महीने में रजिस्ट्रेशन करना है। किसी को कोई परेशानी ना हो उसका सब प्रावधान रखा गया है। सभी से अपील करूंगा कि तय की गई गाइडलाइंस के मुताबिक काम करें। समय से रजिस्ट्रेशन नहीं करेंगे तो ट्रिब्यूनल जाना पड़ेगा। लोगों को पता ही नहीं था कि देशभर में 9 लाख प्रॉपर्टी हैं जो दुनिया में हमारे पास है।

"विरोध करने वालों को लोकतांत्रिक अधिकार"

मंत्री ने आगे कहा, विरोध करने वालों को लोकतांत्रिक अधिकार है। विरोध राजनीतिक कारणों और जानकारी के अभाव में हो सकता है, लेकिन अब सब मिलकर काम करें। PM का सबका साथ सबका विकास का कार्यक्रम इसमें झलकता है। करोड़ों मुसलमान गरीबी में दबे रहेंगे जबकि इतनी संपत्ति मौजूद है। हमारी प्राथमिकता और लक्ष्य होना चाहिए। उम्मीद पोर्टल लॉन्च होने के बाद समझाने के लिए प्रोग्राम भी करेंगे।

6 महीने में करना होगा रजिस्ट्रेशन

उम्मीद पोर्टल पर 6 महीने के अंदर संपत्ति का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। केंद्र सरकार के मुताबिक उम्मीद पोर्टल एक संवैधानिक पोर्टल है। साथ ही OTP के जरिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। तीन स्तरों पर संपत्ति का वैरिफिकेशन की जाएगी। हर एक वक्फ को 17 डीजिट की ID दी जाएगी। साथ ही सेंट्रलाइज हेल्पलाइन जारी की जाएगी। IT एक्ट की धाराओं के तहत यह चलेगा। सरकार के मुताबिक उम्मीद' पोर्टल का मकसद वक्फ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है।

जासूसी के लिए महिलाएं क्यों? PAK की गोदी में बैठने वाले तुफैल-हारून ने खोले ये राज

मुंबई, एजेंसी। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में उत्तर प्रदेश के वाराणसी से तुफैल और दिल्ली से गिरफ्तार हारून की रिमांड खत्म हो चुकी है। दोनों आरोपियों की रिमांड के दौरान यूपी एटीएस (ATS) को उनके काम करने के अंदाज को लेकर बेहद चौंकाने वाली जानकारी हासिल हुई है। साथ ही इस बात का भी खुलासा हुआ है कि जासूसी के लिए बड़ी संख्या में महिलाओं की मांग क्यों की जा रही थी। यूपी एटीएस के सूत्रों ने दावा किया है कि पुलिस की पूछताछ में तुफैल और हारून ने कई चौंकाने वाली जानकारियों को शेयर किया है। पाकिस्तान के हाई कमीशन में काम करने वालों के इशारों पर इन दोनों ने जासूसी करने की बात को कबूला है। साथ ही दोनों ने नए मॉड्यूल को कैसे जमीन पर उतारा जाए इसका पूरा खांका यूपी पुलिस की एटीएस विंग को बताया है।

दोनों से एटीएस की पूछताछ में ये बात सामने आई है कि पाकिस्तान हाईकमीशन में काम करने वाले मुज्जमिल से दोनों सीधे संपर्क में थे। मुज्जमिल ने इन दोनों को जासूसी के लिए अपने स्लीपर सेल में कुछ महिलाओं की भर्ती करने के निर्देश दिए थे, जिसके बाद इन लोगों ने कई महिलाओं और लड़कियों से संपर्क किया था।

LoC पार करने वाली महिला के मोबाइल में मिले पाकिस्तानी ऐप्स, फोन को किया था रिसेट

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर में रहने वाली सुनीता जामगड़े कुछ दिन पहले LoC पार कर पाकिस्तान पहुंच गई थी। पाकिस्तान से लौटने के बाद उसे आगे की कार्रवाई के लिए हिरासत में लिया गया था। अब इस मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।

जांच में पता चला कि महिला व्यापार को लेकर पाकिस्तानी नागरिकों से बात करती थी। व्यापार के अलावा वह कुछ संवेदनशील मुद्दों पर भी बात करती थी। महिला के फोन में दो पाकिस्तानी ऐप्स भी मिले हैं, जिनके स्पाइवेयर होने का संदेह है। मामला संवेदनशील होने की वजह से NIA भी इस मामले पर नजर बनाए हुए है।

बेटे को होटल छोड़कर गई थी पाकिस्तान

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला 4 मई को अपने 13 वर्षीय बेटे के साथ अपने घर नागपुर से निकलकर कारगिल पहुंची थी। वहां उसने अपने बेटे को एक होटल में छोड़ दिया। जिसके बाद वह कारगिल के हुंदरमन गांव में गई, जहां से वह LoC पार कर पाकिस्तान में घुसी थी। पुलिस ने बताया कि जैसे ही उसने सीमा पार की पाकिस्तानी सेना ने उसे हिरासत में ले लिया और बाद में उसे भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया।

पाकिस्तानी व्यक्तियों के संपर्क में थी महिला

अधिकारियों ने बताया कि महिला के फोन की जांच करने पर पता चला कि महिला दो पाकिस्तानियों व्यक्तियों से बात करती थी, जिनकी पहचान जुल्फिकार और पास्टर के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा पहले इन व्यक्तियों से महिला व्यापार संबंधी मुद्दों पर बात करती थी, लेकिन बाद में संवेदनशील मुद्दों पर भी बात करने लगी थी। महिला ने पकड़े जाने से पहले अपने फोन को रिसेट कर दिया था, जिसकी वजह से अधिकारियों को डाटा इकट्ठा करने में समय लग रहा है।

पुलिस ने कहा अभी भी जांच जारी

कपिल नगर थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को महिला के फोन में पाकिस्तानी ऐप्स मिले है। जिनके स्पाइवेयर होने का संदेह है। उन्होंने कहा कि इन ऐप्स को लेकर जांच की जा रही है ताकि इनके उद्देश्यों का पता चले। इसके अलावा अधिकारी यह भी जानने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या उस महिला के साथ ऐसा कोई व्यक्ति था जिसने महिला को पाकिस्तान भेजने में मदद की हो।

क्या अक्षय कुमार के साथ सिद्धार्थ आनंद नहीं बनाएंगे फिल्म? फैंस ने डायरेक्टर को सुनाई खरी-खोटी

बीते दिनों से चर्चा चल रही है कि निर्देशक सिद्धार्थ आनंद अभिनेता अक्षय कुमार के साथ एक हॉरर फिल्म बनाने वाले हैं। अब डायरेक्टर की एक प्रतिक्रिया पर अभिनेता के प्रशंसक नाराज दिख रहे हैं।

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार इस समय अपनी फिल्म 'हाउसफुल 5' से चर्चा में हैं, जो शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। कई दिनों से मीडिया रिपोर्ट में चर्चा चल रही है कि निर्देशक सिद्धार्थ आनंद अभिनेता अक्षय कुमार के साथ मिलकर एक हॉरर फिल्म बनाने वाले हैं। हालांकि, इस बात को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। अब डायरेक्टर के एक ट्वीट ने अक्षय कुमार के प्रशंसकों को नाराज कर दिया है और वो तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। आइए जानते हैं।

निर्देशक ने कहा झूठा

अभिनेता अक्षय कुमार के साथ फिल्म बनाने की खबरों के बीच डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद ने अपने एक्स अकाउंट पर एक ट्वीट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि झूठा। इस ट्वीट के आने के बाद अभिनेता के प्रशंसक निर्देशक को निशाना बना रहे हैं। हालांकि, सिद्धार्थ आनंद ने फिल्म को लेकर कुछ नहीं बोला। साथ ही आपको बताते चलें कि इस समय निर्देशक अभिनेता शाहरुख खान अभिनीत 'किंग' फिल्म के निर्माण में व्यस्त हैं।

अक्षय कुमार के फैंस भड़के

निर्देशक सिद्धार्थ आनंद के इस ट्वीट पर अभिनेता अक्षय कुमार के प्रशंसक नाराज नजर आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि क्या हुआ अब। दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्यों सिड जी, अक्की सर से क्या समस्या है? सिर्फ इसलिए कि उनका डाउनफॉल चल रहा है, आप उनके साथ काम नहीं करना चाहते, पर एक बात याद रखना अब अक्की सर की वापसी बहुत जल्दी होगी।' वहीं एक अन्य यूजर ने कहा कि अच्छा हुआ आपने साफ कर दिया, यानी कि अब आप अक्षय के साथ एक्शन फिल्में करेंगे। इसके अलावा एक और यूजर ने लिखा कि क्या यार।

अक्षय कुमार के बारे में

अभिनेता अक्षय कुमार इस समय अपनी फिल्म 'हाउसफुल 5' से चर्चा में हैं, जो आज यानी कि 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। इसके अलावा अभिनेता की पिछली फिल्म 'केसरी 2' थी, जिसे दर्शकों द्वारा ठीक-ठीक पसंद किया गया था।

मेट्रो...इन दिनों का ट्रेलर जारी, 4 लूजर लवर्स की पेचीदा कहानी, उम्र के हर वर्ग के लोगों की मॉर्डन लव स्टोरी देगी नया अनुभव

अनुराग बसु निर्देशित मेट्रोज्इन दिनों का ट्रेलर रिलीज हो गया है। आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान और अन्य स्टार्स वाली यह आगामी रोमांटिक ड्रामा 4 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। हाल ही में फिल्म का पहला गाना भी रिलीज किया गया था और यह फैंस के बीच ट्रेंड कर रहा है।

सारा अली खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी रोमांटिक ड्रामा मेट्रो इन दिनों का ट्रेलर पोस्ट किया है और कैप्शन में लिखा है, हर उम्र के लिए एक कहानी। हर पड़ाव पर प्यार। यह सिर्फ हमारी लव स्टोरी नहीं है- यह आपकी भी है। मेट्रोज्इन दिनों ट्रेलर जारी। 4 जुलाई 2025 को सिनेमाघरों में अपनी खुद की कहानी देखें।

ट्रेलर की शुरुआत में एक खूबसूरत गाने की झलक दिखाई गई है। इसके बाद ट्रेलर की शुरुआत आदित्य रॉय कपूर और सारा अली खान के कैब में सफर करने से होती है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि वे सिर्फ दोस्त हैं लेकिन धीरे-धीरे प्यार में पड़ जाते हैं। ट्रेलर में आगे तीन अन्य जोड़ियों की भी झलक दिखाई गई है, जो उनके अतीत और वर्तमान से परिचित कराता है। रोमांटिक पल बिताने के बाद ये चारों जोड़े कठिन समय से गुजर रहे होते हैं और उनके रिश्ते भी।

धर्मेंद्र और नफीसा अली की जगह नीना गुप्ता और अनुपम खेर ने ले ली है। उनका रोमांस नेचुरल और सच्चा है। उनका चुपके से किया गया रोमांस जो चेहरे पर नहीं बल्कि आंखों के माध्यम से व्यक्त होता है। उम्मीद हैं कि उनकी ये लव स्टोरी दर्शकों को पसंद आएंगी। फिल्म में कोंकणा की जोड़ी पंकज त्रिपाठी संग बनाई गई है। हालांक, दर्शकों को इरफान खान की कमी खलेगी। ट्रेलर में प्यार, दर्द और जूनुन ये बताता है कि यह फिल्म की कहानी काफी बेहतरीन होने वाली है।

मेट्रो इन दिनो का पहला गाना रिलीज हो गया है। जमाना लगे नाम के इस गाने में म्यूजिक मास्टर प्रीतम के साथ अरिजीत सिंह और शाश्वत सिंह ने आवाज दी है। यह एक दिल को छू लेने वाला गाना है जो फिल्म की जुड़ी कहानियों को खूबसूरती से जोड़ता है।

अनुराग बसु निर्देशित मेट्रो इन दिनो 2007 की फिल्म लाइफ इन एज मेट्रो का सीक्वल है। इसमें कई शहरी रिश्तों को दिखाया गया है। गाने का म्यूजिक वीडियो इसके कलाकारों की जिंदगी की झलक दिखाता है।

फिल्म में सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर के बीच एक रोमांटिक मोड़ देखने को मिलेगा, जहां वह उन्हें मेट्रो में विदा लेते हैं। फिल्म में सारा और आदित्य के अलावा, अली फजल, फातिमा सना शेख, कोंकणा सेन शर्मा, पंकज त्रिपाठी, नीना गुप्ता, अनुपम खेर, सास्वता चटर्जी भी हैं। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आंखों की गुस्ताखियां का पहला पोस्टर रिलीज, शनाया कपूर के साथ रोमांस करते दिखे विक्रांत मैसी

अभिनेता विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर अपकमिंग रोमांटिक फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें विक्रांत और शनाया की केमिस्ट्री शानदार नजर आई।

'आंखों की गुस्ताखियां' म्यूजिकल प्रेम कहानी है, जो भावनाओं और प्यार के जादू को दिखाती है। शनाया कपूर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। दोनों की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। पोस्टर में उनकी केमिस्ट्री को प्रशंसकों ने शानदार और प्यारा बताया।

जी स्टूडियोज ने पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दो दिल, एक प्यार और अनगिनत गुस्ताखियां। आंखों की गुस्ताखियां का टीजर गुरुवार को रिलीज होगा और 11 जुलाई को अपने नज़दीकी सिनेमाघरों में प्यार का एहसास करने के लिए जरूर जाएं।

हाल ही में प्रोड्यूसर मानसी बागला ने 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी।

बागला ने खुलासा किया कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं, जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था। स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया की स्वाभाविक प्रतिभा और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं, जिसके चलते उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के शनाया को चुन लिया। उन्हें लगता है कि इस किरदार के लिए शनाया कपूर एकदम सही हैं।

फिल्म में संगीत गायक विशाल मिश्रा ने दिया है। जानकारी के अनुसार यह कहानी दो ब्लाइंड लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो आधुनिक समय में प्रेम की खुशियों और चुनौतियों का सामना करते हैं। यह रस्किन बांड की कहानी 'द आइज़ हैव इट' से प्रेरित है।

फिल्म का निर्देशन संतोष सिंह ने किया है और इसे मानसी बागला और निरंजन अयंगर ने मिलकर संयुक्त रूप से लिखा है। जी स्टूडियोज और मिनी फिल्म्स ने फिल्म का निर्माण किया है। वहीं, मानसी और वरुण बागला ने प्रोड्यूस किया है।

'आंखों की गुस्ताखियां' 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय
सम्पर्कः 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com